सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 157 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 22 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रेलवे ने बदली एसी कोच अटेंडेंट की योग्यता, अब 12वीं पास भी बनेंगे सुपरवाइजर

नईदिल्ली। रेल यात्रियों को बेहतर सेवाएं देने के उद्देश्य से रेलवे बोर्ड ने एसी कोच अटेंडेंट की योग्यता मानदंडों में संशोधन किया है। 17 फरवरी, 2026 को जारी आदेश में रेलवे बोर्ड ने निर्धारित योग्यता में बदलाव करते हुए एसी कोच अटेंडेंट के लिए आइटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। नए संशोधित प्रविधान के तहत एसी कोच अटेंडेंट के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास (इंटरमीडिएट) तय की गई है। यद्यपि, अर्ध कुशल श्रेणी के अंतर्गत कोचों की छोटी-मोटी मरम्मत के लिए प्रशिक्षित होना आवश्यक होगा। इसके अलावा, अटेंडेंट को अपने जिम्मे दिए गए कोचों में सुपरवाइजर की भूमिका भी निभानी होगी। रेलवे बोर्ड के निदेशक लव शुक्ला ने 18 मार्च 2026 को पत्र लिखकर भारतीय रेलवे के सभी जोनल महाप्रबंधकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिया है।

'डिजिटल' होगी जनगणना, घर बैठे भरें जानकारी

रायपुर। देश की जनगणना के इतिहास में पहली बार एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब जनगणना करने वाले कर्मचारी के घर आने का इंतजार नहीं करना होगा, बल्कि आप खुद अपने मोबाइल या कंप्यूटर से परिवार का ब्योरा दर्ज कर सकेंगे। केंद्र सरकार इस बार 'सेल्फ मोड' इंट्री की सुविधा दे रही है। ऑनलाइन अपना ब्योरा दर्ज करने के लिए जनगणना पोर्टल censusindia.gov.in या मोबाइल एप खोलें। अपना मोबाइल नंबर और आधार नंबर का उपयोग करके स्वयं का पंजीकरण करें। फॉर्म में मकान की स्थिति, परिवार के सदस्यों की संख्या, शिक्षा, व्यवसाय और अन्य सामाजिक-आर्थिक विवरण सही-सही भरें। फॉर्म सबमिट करने के बाद एक यूनीक रेफरेंस आईडी मिलेगी, जिसे भविष्य के लिए सुरक्षित रखें। जब एन्यूमरेटर (जनगणना कर्मचारी) आपके घर आएं, तो उन्हें यह रेफरेंस आईडी दिखाएं ताकि वे जानकारी सत्यापित कर सकें।

अवैध धर्मांतरण नेटवर्क का आरोपी डेविड चाको गिरफ्तार

राजनांदगांव। थाना लालबाग अंतर्गत पुलिस चौकी सुकुलदैहान क्षेत्र में अवैध धर्मांतरण प्रकरण में पुलिस द्वारा प्रभावी और सुनियोजित कार्यवाही की गई हैं,इस पूरे मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। 8 जनवरी 2026 को पुलिस को एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें आरोपी डेविड चाको ग्राम धर्मापुर द्वारा अपने निवास स्थान पर प्रार्थना सभा धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को प्रलोभन और अन्य माध्यमों से धर्म परिवर्तन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा हैं, साथ ही बिना अनुमति के आश्रम संचालक और नाबालिक बच्चों को अपने पास रखे होने की जानकारी प्राप्त हुई थी जिस पर कार्रवाई की गई।

मोदी सबसे ज्यादा दिन सरकार प्रमुख रहने वाले राजनेता, बतौर हेड ऑफ गवर्नमेंट 8931 दिन पूरे

सिक्किम के पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ा

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर सरकार के प्रमुख के रूप में 8,931 दिन पूरे करने के साथ ही पीएम मोदी ने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

पीएम मोदी इससे पहले गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री रह चुके हैं, और वे ऐसे प्रधानमंत्री भी हैं जिनके पास मुख्यमंत्री के तौर पर काम करने का सबसे लंबा अनुभव है।

17 सितंबर को जन्मे नरेंद्र मोदी 6 साल की उम्र में ही कांग्रेस की ओर से महागुजरात आंदोलन का हिस्सा बने। फिर 8 साल की उम्र में आरएसएस से जुड़ गए थे। 7 अक्टूबर 2001 को 51 साल की उम्र में बिना विधायक बने ही

मोदी गुजरात के 14वें मुख्यमंत्री बने। 24 सालों में 14 साल गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और अब तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री हैं।

2025 में मोदी ने बतौर पीएम इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड तोड़ा

नरेंद्र मोदी भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे पीएम भी हैं। वे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 4077 दिनों (24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977) का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। 22 मार्च 2026 तक बतौर प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी 4318 पूरे कर चुके हैं। हालांकि सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड जवाहरलाल नेहरू के नाम है। वे 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 तक यानी लगातार कुल 6126 दिन तक इस पद पर रहे। पीएम मोदी नेहरू के रिकॉर्ड से 1812 दिन पीछे हैं। यानी अभी भी मोदी को 4 साल से ज्यादा प्रधानमंत्री के पद पर रहना होगा। इस रिकार्ड को रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 2029 के बाद भी पीएम रहना पड़ेगा।

महासमुंद के खल्लारी में रोप-वे केबल टूटा, 20 फीट नीचे गिरी ट्रॉली, एक श्रद्धालु की मौत

देवी दर्शन कर लौट रहे थे सभी श्रद्धालु, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जताया दुःख

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में स्थित प्रसिद्ध खल्लारी मंदिर में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। चैत्र नवरात्र के चौथे दिन सुबह करीब 10:30 बजे मंदिर पहुंचने के लिए बने रोपवे का केबल अचानक टूट गया। ट्रॉली में सवार 5 श्रद्धालु 20 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गए। ट्रॉली पहाड़ी की चट्टान से टकराई। सभी को गंभीर चोट आई है। घायलों में बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। सभी को तुरंत बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। बताया जा रहा है कि हादसे में घायल एक महिला की मौत हो गई। वहीं इस हादसे को लेकर सीएम साय ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने जिम्मेदारों पर कार्रवाई का निर्देश भी दिया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, श्रद्धालु दर्शन करके रोपवे से लौट रहे थे। केबल टूटने के बाद ट्रॉली अनियंत्रित हो गई। लगभग 20 फीट नीचे पहाड़ी की चट्टान

से जा टकराई। इस जोरदार झटके के कारण ट्रॉली में बैठे लोगों को गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मंदिर परिसर में अफरातफरी मच गई और बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालु दहशत में आ गए। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को निजी वाहनों की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया।

नवरात्र में रहती है भारी भीड़

महासमुंद से 25 किमी. दक्षिण की ओर खल्लारी गांव की पहाड़ी के शीर्ष पर खल्लारी माता का मंदिर स्थित है। प्रतिवर्ष क्वांर और चैत्र नवरात्र के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ इस दुर्गम पहाड़ी में दर्शन के लिए आती है। हर साल चैत्र मास की पूर्णिमा के अवसर पर वार्षिक मेले का आयोजन किया जाता है। मंदिर तक पहुंचने के लिए करीब 800 सीढ़ियां चढ़नी होती है। ऐसा माना जाता है कि महाभारत युग में पांडव अपनी यात्रा के दौरान इस पहाड़ी की चोटी पर आए थे।

सीएम साय बोले- पीड़ा दायक है यह घटना

महासमुंद जिले के खल्लारी माता मंदिर में हुई रोप-वे दुर्घटना की सूचना अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। दुर्घटना में एक श्रद्धालु के निधन के समाचार से मन व्यथित है। मेरी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित अधिकारियों को घायलों के बेहतर उपचार हेतु आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं। इस घटना की विस्तृत जांच की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। खल्लारी माता से प्रार्थना है कि इस दुर्घटना में घायल सभी श्रद्धालुओं को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

ब्रिटेन से लेकर ऑस्ट्रेलिया तक होर्मुज पर हुए ईरान के खिलाफ

श्रीकंचनपथ न्यूज

नइदिल्ली ए.। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच 22 देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर संयुक्त बयान जारी किया है। इस बयान में होर्मुज के पास-पास ईरान की हालिया गतिविधियों पर कड़ा ऐतराज जताया गया है। संयुक्त बयान जारी करने वाले देशों में संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, जापान, कनाडा, दक्षिण कोरिया, न्यूजीलैंड, डेनमार्क, लातविया, स्लोवेनिया, एस्टोनिया, नॉर्वे, स्वीडन, फिनलैंड, चेकिया, रोमानिया, बहरीन, लिथुआनिया और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

साझा बयान में कहा गया है कि खाड़ी क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर ईरान के हमले बेहद निंदनीय हैं। ईरानी सेना ने तेल और गैस संयंत्रों जैसे नागरिक बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया है। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य को हकीकत में बंद कर देना एक गंभीर मुद्दा है। इन देशों ने बढ़ते संघर्ष पर भी गहरी चिंता व्यक्त की है। इन देशों ने ईरान से मांग की है कि वह अपनी धमकियां तुरंत बंद करे।

क्या हैं नियम?

अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक समुद्र में जहाजों की आवाजाही एक बुनियादी अधिकार है। ईरान के इन कदमों का बुरा असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा, खासकर उन पर जो सबसे ज्यादा कमजोर हैं। व्यापारिक जहाजों के रास्ते में दखल व वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तोड़ना अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आया बाइक सवार विवाहिता की मौत, रायपुर से लौट रहे थे दोनो

पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का मामला आरोपी ट्रक चाल गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रेलवे की परीक्षा देकर लौट रही खुर्सीपार निवासी विवाहिता की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अपने पति व 8 साल के बच्चे के साथ रायपुर गई थी। परीक्षा देने के बाद वे लौट रहे थे इस दौरान सिरसा चौक पर तेज रफ्तार ट्रक से उसे चपेट में ले लिया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पिता और 8 साल का बेटा घायल हो गए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना के बाद आरोपी ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतका का नाम एन भारती (30) शनिवार को रायपुर गई थी। वह अपने पति व 8 साल के बेटे के साथ गई। दरअसल रायपुर में वह रेलवे का एग्जाम देने गई थी। परीक्षा देने के बाद रायपुर में कुछ समय बताने के बाद वह पति व बच्चे के साथ वापस लौट रही थी। बाइक पति चला रहा था और वह अपने बच्चे के साथ पीछे बैठी थी। इस दौरान भिलाई तीन सिरसा चौक के पास हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनों गिर पड़े। पिछले पहिए की चपेट में आने से भारती की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में पति और बच्चे को मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें हाई स्पीड ट्रक बाइक को टक्कर मारते साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। टक्कर अचानक हुई, जिससे बाइक सवार संभल नहीं पाए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ट्रक चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए इलाके में जाम की स्थिति बन गई, जिसे पुलिस ने जल्द ही कंट्रोल कर लिया।

छत्तीसगढ़ में बारिश : कोंडागांव में बिछी बर्फ की चादर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों मौसम बदला हुआ है। प्रदेश के कई हिस्सों में हुई हल्की से मध्यम बारिश के कारण अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर गया है। हालांकि, आने वाले 24 घंटों के बाद तापमान में एक बार फिर बढ़ोतरी का दौर शुरू होगा।

इससे पहले शनिवार को कोंडागांव जिले में शिमला-मनाली जैसा नजारा दिखा। जिले में जमकर ओले गिरे। बड़ेराजपुर विकासखंड के टेवंसा, छोटेराजपुर, पाडोकी और बड़ेराजपुर गांवों के खेतों में बर्फ की मोटी चादर बिछ

गई। ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर हरियाणा से लेकर उत्तर छत्तीसगढ़ तक उत्तर प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर एक ट्रफ लाइन बनी हुई है। यह पश्चिमी विक्षोभ समुद्र तल से 3.1 और 12.6 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जिसके प्रभाव से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश और बादल की स्थिति बनी हुई है। इसी सिस्टम की वजह से बीते दिनों प्रदेश के कुछ इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है।

पिछले 24 घंटों के दौरान छत्तीसगढ़ के कई जिलों में बादलों ने अपना असर दिखाया। सबसे ज्यादा 50 रूरूबारिश बस्तर के नांगुर में दर्ज की गई, जबकि बगीचा में 30 एमएम, सुकमा और टोकापाल जैसे इलाकों में 20-20 एमएम बारिश हुई। तापमान की बात करें तो दुर्ग प्रदेश में सबसे गर्म रहा, जहां पारा 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, वहीं जगदलपुर में न्यूनतम तापमान 15.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे कम रिकॉर्ड किया गया।

दुर्ग-रायपुर खारुन ब्रिज 1 महीने के लिए होगा वन वे

भिलाई। नेशनल हाईवे-53 पर रायपुर और दुर्ग को जोड़ने वाले कुम्हारी (खारुन नदी) पुल पर 1 अप्रैल से मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। करीब एक महीने तक चलने वाले इस मेंटेनेंस कार्य के दौरान पुल से एक ही दिशा से दोनों ओर के वाहन निकलेंगे। इस मार्ग पर यातायात बुरी तरह प्रभावित रहेगा। प्रतिदिन लगभग डेढ़ लाख वाहनों के दबाव को देखते हुए पुलिस और एनएचएआई ने नया ट्रैफिक प्लान जारी किया है। ऐसे में लोगों को एयरपोर्ट या रेलवे स्टेशन जाने के लिए करीब 1 घंटा पहले घर से निकलना होगा।

विश्व जल दिवस : पीएम मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं, बताई हर बूंद पानी की अहमियत

नईदिल्ली। आज दुनियाभर में जल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है और इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता को शुभकामनाएं दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि पानी केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि पृथ्वी के भविष्य को आकार भी देता है। पीएम मोदी ने सभी लोगों से अपील की कि हर बूंद की कीमत समझना हमारी जिम्मेदारी है और इसे बचाना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आज का दिन उन लोगों को भी सलाम करने का अवसर है, जो सतत प्रथाओं, जागरूकता और संरक्षण के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि विश्व जल दिवस पर आइए हम हर एक बूंद पानी को बचाने और जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने का संकल्प दोहराएं। उन्होंने जनता से अपील की

कि जल का सुरक्षित, जिम्मेदारी और सतत तरीके से इस्तेमाल करें। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में इस बात पर भी जोर दिया कि आज का दिन उन लोगों को सम्मानित करने का भी अवसर है, जो सतत् प्रथाओं को अपनाते हैं, जागरूकता फैलाते हैं और संरक्षण की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं।

क्यों मनाते हैं विश्व जल दिवस ?

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व जल दिवस का मुख्य उद्देश्य सतत विकास लक्ष्य 6 को पूरा करना है, जिसका मकसद 2030 तक सभी के लिए सुरक्षित जल और स्वच्छता सुनिश्चित करना है। इस साल के विश्व जल दिवस अभियान में महिलाओं को पानी से जुड़े फैसलों में समान अधिकार, नेतृत्व और अवसर देने की जोरदार मांग की गई है। अभियान का उद्देश्य समाज में जल संरक्षण और समान भागीदारी की संस्कृति को बढ़ावा देना है। विश्व जल दिवस हर साल 22 मार्च को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों में पानी के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना और जल संरक्षण की आदतें बढ़ाना है। दुनिया में बहुत सारे लोग अभी भी साफ पानी और स्वच्छता के अभाव में जूझ रहे हैं, और जल संसाधन लगातार घट रहे हैं।

संपादकीय

आत्मघाती कदम

ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी नतांज पर अमेरिका और इजरायल ने शनिवार को हमला करके दो बातों को स्पष्ट कर दिया है पहला यह कि सत्ता परिवर्तन तक वह ईरान पर गोले बरसाता रहेगा और दूसरा यह कि वह न्यूक्लियर के मामले में ईरान को किसी भी तरह की छूट देने वाला नहीं है। ईरान ने जिस तरह खाड़ी देशों पर मिसाइलें दागकर उन सभी को एकजुट किया है।

दरअसल अमेरिका और इजारयल चाहते हैं कि यह युद्ध लम्बा चले। इसलिए ये दोनों ही चाहते हैं कि ईरान के सैन्य प्रतिष्ठानों और न्यूक्लियर फैसिलिटी को तबाह करके ईरान को घुटनों पर लाया जाए। ईरान तो ध्यान भटकाने के लिए खाड़ी देशों को निशाना बना ही रहा है। लेकिन यह हथकंडा भी ईरान का उलटा ही पड़ता दिख रहा है। ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और कतर को एक साथ निशाना बनाकर तीनों को अपना दुश्मन बना लिया और खाड़ी के देश अमेरिका पर दबाव डाल रहे हैं कि वह जल्दी से जल्दी ईरान के न्यूक्लियर फैसिलिटी को तबाह कर दे। ईरान को इस बात की गलतफहमी थी कि चीन और रूस उसके साथ खड़े होंगे किन्तु इन दोनों ने ठेंगा दिखा दिया। असल में रूस के साथ ईरान का एक समझौता हुआ है जिसमें इस बात का उल्लेख है कि यदि ईरान पर कोई हमला हुआ तो रूस उसकी रक्षा के लिए एस-400 देगा। लेकिन जब इजरायल और अमेरिका ने ईरान पर हमला किया तो तेहरान में बैठे ईरानी हुक्मरानों ने रूस से एस-400 की मांग की। लेकिन रूस ने टका सा जवाब देते हुए पूछा कि अभी जो हमला हुआ है वह तो आतंकी ठिकानों पर हुआ है, ईरान पर हमले हुए ही कहां है। हक्का-बक्का ईरान बोले भले ही नहीं किन्तु उसे अब इस बात का एहसास हो गया कि उसकी मदद करके चीन और रूस खाड़ी के देशों को नाराज नहीं कर सकते। आज तो स्थिति यह कर दी है तेहरान ने कि खाड़ी देश खुलकर अमेरिकी और इजरायली हमलों का समर्थन कर रहे हैं। रूस और चीन दोनों ही खाड़ी देशों को नाराज करने की कीमत चुकाने को तैयार नहीं है। सच तो यह है कि ईरान के लिए भला रूस और चीन अमेरिका एवं इजरायल से भी नाराजगी क्यों लें? रही बात भारत की तो भारत जहां इस युद्ध के पक्ष में नहीं है, वहीं वह किसी भी पक्ष की तरफखड़ा नहीं दिखना चाहता।

> “ ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और कतर को एक साथ निशाना बनाकर तीनों को अपना दुश्मन बना लिया और खाड़ी के देश अमेरिका पर दबाव डाल रहे हैं कि वह जल्दी से जल्दी ईरान के न्यूक्लियर फैसिलिटी को तबाह कर दे। ईरान को इस बात की गलतफहमी थी कि चीन और रूस उसके साथ खड़े होंगे किन्तु इन दोनों ने ठेंगा दिखा दिया। असल में रूस के साथ ईरान का एक समझौता हुआ है जिसमें इस बात का उल्लेख है कि यदि ईरान पर कोई हमला हुआ तो रूस उसकी रक्षा के लिए एस-400 देगा।

भारत अपने भले-बुरे के बारे में अच्छी तरह जानता है। भारत यह भी जानता है कि उसे अपनी लड़ाई खुद लड़नी होती है। भारत को अपने राष्ट्रीय हित के मुताबिक ही अपनी कूटनीति अपनानी है, भारत कर भी वही रहा है। कूटनीति कब किन कारकों के अधीन हो जाती है। इसका एक ही मापदण्ड है राष्ट्रीय हित और रणनीतिक साझेदारी। भारत को बहुत ही सावधानी से इस बवाल से दूरी बनाए रखने की जरूरत है। ईरान रणनीतिक सूझबूझ से न तो हमले कर रहा है और न ही यह संकेत दे रहा है कि अब तेहरान की नीति शांति और समझौता चाहती है। इसलिए खाड़ी के देश अमेरिका पर दबाव डाल रहे हैं कि वह सबसे पहले तो ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को तबाह करे और फिर मौजूदा शासन को अन्यथा इस क्षेत्र में अशांति और युद्ध का माहौल बना रहेगा। यही कारण है कि अमेरिका ने शनिवार को ही यह बयान भी दिया था कि वह न्यूक्लियर ईरान से निकाल लेगा। बहरहाल जिस तरह ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध में साढियतापूर्ण पहल कर रहे हैं, उससे लगता तो यही है कि जहां अमेरिका व इजरायल रणनीति बनाकर ईरान के सैन्य एवं न्यूक्लियर प्रतिष्ठानों को बर्बाद कर रहे हैं वहीं ईरान बिना स्ट्रैटजिक प्लानिंग के ही अपनी मिसाइल के जखीरे को खाली कर रहा है। उसे इस बात का अनुमान ही नहीं है कि वह जो कर रहा है, उसके परिणाम क्या होंगे। यह स्थिति कदाचित इसलिए है कि जिस रणनीतिक सैन्य कौशल और राजनीतिक सत्ता के समझ की जरूरत है, वह ईरान में नहीं रही। बदहवासी से नहीं बल्कि युद्ध जीतने के लिए धैर्य एवं रणनीतिक समझदारी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है किन्तु दुर्भाग्य से ईरान धैर्य का परिचय नहीं दे रहा है और इजरायल तथा अमेरिका चाहते हैं कि उनको लक्ष्य जल्दी से जल्दी प्राप्त हो जाए। इसलिए समूचा मध्य पूर्व एशिया इस वक्त अशांत है। इसे ईरान की रणनीतिक चूक या आत्मघाती कदम माना जा सकता है क्योंकि उसने खुद खाड़ी देशों को युद्ध के समय अपने खिलाफ भड़काया है।

आर्थिक संबल से आत्मविश्वास तक सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ की महिलाएं

डॉ. दानेश्वरी संभाकर
उप संचालक जनसंपर्क

किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति तब मानी जाती है जब उसकी महिलाएं सशक्त, आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने लगें। छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना इसी दिशा में एक ऐतिहासिक और संवेदनशील पहल बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में यह योजना आज लाखों महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास, आर्थिक संबल और नई उम्मीदों का संचार कर रही है।

महतारी वंदन योजना केवल हर माह मिलने वाली 1000 रुपये की आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महिलाओं के सपनों को पंख देने, उनके आत्मसम्मान को मजबूत करने और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम बन गई है। प्रदेश के गांव-गांव से ऐसी प्रेरक कहानियां सामने आ रही हैं, जो बताती हैं कि छोटे-छोटे आर्थिक सहयोग से भी बड़े सामाजिक बदलाव संभव हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बस्तर में आयोजित वृहद महतारी वंदन कार्यक्रम के दौरान कई महिलाओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से वर्चुअल संवाद कर अपने जीवन में आए बदलाव साझा किए। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के ग्राम खोडरी की अनीता साहू ने बताया कि पहले आर्थिक कठिनाइयों के कारण परिवार चलाना मुश्किल था, लेकिन योजना से मिली राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और अनीता सिलाई सेंटर शुरू किया। आज वे सिलाई, खेती और मजदूरी के माध्यम से अपने परिवार को बेहतर जीवन दे रही हैं। उनका यह सफर संघर्ष से आत्मनिर्भरता तक की प्रेरक कहानी बन गया है।

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की मिथलेश चतुर्वेदी ने भी अपने जीवन का भावुक अनुभव साझा किया। पति के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। ऐसे कठिन समय में महतारी वंदन योजना ने उन्हें आर्थिक संबल दिया और उन्होंने ई-रिक्शा खरीदकर आजीविका का नया रास्ता चुना। आज वे आत्मसम्मान के साथ अपने परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं और समाज में आत्मनिर्भर महिला की पहचान बना चुकी हैं।

कोरिया जिले की ग्राम डुमरिया निवासी बाबी राजवाड़े बताती हैं कि खेती-किसानी में मिलने वाली मासिक राशि उनके लिए बड़ी मदद साबित हो रही है। बीज, खाद और अन्य कृषि जरूरतों को पूरा करना अब पहले की तुलना में आसान हो गया है। वहीं ग्राम आमापारा की सुंदरी पैकरा इस राशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई में कर रही हैं, जिससे उनके बच्चों के भविष्य को नई दिशा मिल रही है।

भरतपुर विकासखंड के ग्राम चांटी की सविता सिंह की कहानी इस योजना की सार्थकता को और मजबूत करती है। उन्होंने महतारी वंदन योजना की राशि को बचाकर सिलाई मशीन खरीदी और सिलाई कार्य शुरू किया। आज वे गांव में कपड़ों की सिलाई कर नियमित आय अर्जित कर रही हैं और अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का खर्च स्वयं उठा रही हैं। उनकी सफलता ने गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी है।

महतारी वंदन योजना का व्यापक प्रभाव प्रदेश के हर जिले में दिखाई दे रहा है। लगभग 69 लाख विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये की सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जा रही है और अब तक 25 किस्तों के माध्यम से 16 हजार 237 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के जरिए प्रदान की जा चुकी है। यह नियमित आर्थिक सहयोग महिलाओं के जीवन में स्थिरता और आत्मविश्वास ला रहा है।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह महिलाओं को केवल सहायता नहीं देती, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देती है। महिलाएं इस राशि से छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू कर रही हैं, बच्चों की पढ़ाई में निवेश कर रही हैं, खेती-किसानी को मजबूत बना रही हैं और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इससे परिवार, समाज और राज्य—तीनों स्तरों पर सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है।

महिलाओं का कहना है कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब महतारी वंदन योजना ने उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीने की ताकत दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना उनके जीवन में नई उम्मीद और नया आत्मविश्वास लेकर आई है।

आज महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण का मजबूत स्तंभ बन चुकी है। यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी दे रही है। निश्चित रूप से महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए आत्मसम्मान, सशक्तिकरण और उज्ज्वल भविष्य की नई सुबह साबित हो रही है, जो आने वाले समय में प्रदेश के समग्र विकास की मजबूत आधारशिला बनेगी।

एआई दादा-दादियों के लिए भी उतना ही जरूरी है, जितना बच्चों के लिए

एन. रघुरामन

बहुत हुआ राहुल, टेक्नोलॉजी में लोगों की मदद करने के बहाने तुम अपनी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे रहे हो, बोर्ड की परीक्षाएं नजदीक हैं।' राहुल ने तो अपनी मां की इस सख्त चेतावनी पर ध्यान तक नहीं दिया था, लेकिन उस आवाज में मौजूद तिरस्कार का स्वर इतना तीखा था कि वो किसी और को चोट पहुंचाने में सक्षम था।

इससे उन बेबी बूमर (1964 से पहले जन्मे व्यक्ति) को हल्की उदासी जरूर हुई, जो लंबे समय से टेक्नोफोबिया से जूझ रहे थे। लेकिन उन्होंने उसे तुरंत नजरअंदाज कर दिया और कहा, जाओ, जाओ, नहीं तो तुम्हारी मां मुझे डांटेंगी कि मैंने तुम्हें रोक लिया। अपनी पढ़ाई पूरी करो, फिर देखेंगे।' दादाजी ने उसे कमरे से बाहर कर दिया। बाहर जाते हुए राहुल ने वादा किया, चिंता मत कीजिए, मैं इस समस्या को हमेशा के लिए ठीक कर दूंगा।'

जिस पीढ़ी को बेबी बूमर्स ने गाइड किया था, अब वही पीढ़ी स्मार्टफोन के जरिए उनकी मार्गदर्शक बन गई थी। अधिकांश परिवारों में लंबे समय तक यह कहानी देखी जाती रही थी। लेकिन हाल के समय में हालात बदल गए हैं। आज अगर राहुल के घर में इंटरनेट की सुविधा नहीं रही तो वो संकटग्रस्त की श्रेणी में आता है। राहुल के घर में उसकी पढ़ाई के दौरान इंटरनेट की आपूर्ति को सीमित कर दिया जाता था।

लेकिन जैसे ही राहुल ग्रेजुएशन में पहुंचा, दादाजी पोस्ट ग्रेजुएशन में पहुंच गए! राहुल के पास उनके लिए समय कम होता गया, उसकी मां का स्वर नरम

हो गया, जबकि घर में दादाजी का महत्व बढ़ गया। अब घर में दादाजी ही सबसे ज्यादा टेक-सैवी हो गए थे! सोच रहे हैं कैसे? तो ये रही कहानी।

उस रात राहुल ने उन्हें एआई का इस्तेमाल करना सिखाया। उसके जाने के बाद दादाजी ने कुछ करने की कोशिश की और अचानक उनके डेस्कटॉप कंप्यूटर से मेनू बार गायब हो गया। दादाजी ने बगल के कमरे में बैठे राहुल को वॉट्सएप पर संदेश भेजा।

राहुल ने जवाब में वॉइस मैसेज भेजा- एआई से पूछिए। एआई ने शांति से उन्हें भरोसा दिलाया कि एपल कभी-कभी इसे छिपा देता है और बताया कि इसे कहां ढूंढना है। जब उन्होंने पूछा कि कैश (मेमोरी कैश) क्या होता है, तो एआई ने सबसे पहले कहा- बहुत अच्छा सवाल।

चूंकि इससे पहले किसी ने उनके तकनीकी-सम्बंधी सवाल को बहुत अच्छा नहीं कहा था, इसलिए दादाजी का मन उसमें रम गया। एआई ने कभी शिकायत नहीं करी, वो कभी थका नहीं और वो उनकी हर समस्या हल करता चला गया।

धीरे-धीरे उनके पासवर्ड खरगोशों की रफ्तार से बढ़ने लगे। डिमेंशिया का डर उन्हें परेशान नहीं करता था, क्योंकि एआई उनके लिए हर बात को याद रखता था और उनसे केवल फिंगरप्रिंट्स की अनुमति मांगता था। उसमें बिना किसी तिरस्कार के असीम धैर्य था।

एआई ने घर का पूरा परिदृश्य ही बदल दिया था। अब राहुल की मां अपने ससुर से ही राहुल को समझाने में मदद लेने लगी, क्योंकि राहुल धीरे-धीरे मानो एक ऐसी बायोमैकेनिकल इकाई बनता जा रहा था, जो लगातार शक्तिशाली होती जा रही मशीन इंटेलिजेंस में घुल-मिल जाने को नियत हो। वो यह समझने में असफल रहा था कि मनुष्य-जीवन इससे कहीं बढ़कर है और हमारे जानने, संबंध जोड़ने, समझने और कुछ बनने के अनुभवों में कहीं अधिक गहराई है।

आज राहुल के दादाजी इन्हीं गहराइयों की खोज में उसकी मदद करते हैं। कई दिनों तक राहुल और दादाजी एक ही कमरे में घंटों साथ बैठते हैं। वे मनुष्य की ज्ञानात्मक क्षमताओं पर चर्चा करते हैं। यानी सतही अध्ययन से आगे बढ़कर वास्तविकता, अस्तित्व और होने के मूल दार्शनिक आधारों तक पहुंचना और पारंपरिक सीमाओं से परे जाकर ज्ञान की खोज करना- अपने किंडल और मैकबुक के साथ।

वे 1950 से लेकर 2026 और आगे तक के ज्ञान को मिलकर रचते हैं। आज मां एक दर्शक बनकर बैठती है और दोनों घंटों तक धैर्य और जिज्ञासा के साथ बहस करते हैं। तब मां अचरज करने लगती है कि जिस स्कूली बच्चे को वह अपने तकनीक-विरोधी ससुर से दूर रखना चाहती थी, वही अब उनके मार्गदर्शन में कैसे एक बेहतर इंसान बन रहा है।

फंडा यह है कि यदि आप अपने बच्चों को दादा-दादी के टेक्नोलॉजिकल-मेंटर नहीं बनने देंगे, तो एआई तो उनकी मदद कर ही देगा, लेकिन बच्चे जरूर प्रथम श्रेणी के इंसान बनने के बजाय द्वितीय श्रेणी के रोबोट बन सकते हैं।

एक वर्ष में छब्बीस हजार करोड़ रुपए के बीमा दावे खारिज

कंपनियों और निजी अस्पतालों के गठजोड़ में फंसता आम आदमी का भरोसा

यह विडंबना ही है कि जिस भरोसे की वजह से कोई व्यक्ति बीमारी का इलाज कराने किसी निजी अस्पताल में जाता है, वह उसके लिए एक नई परेशानी की वजह बन जाता है। भविष्य में इलाज का खर्च उठाने की राह आसान बनाने का भरोसा देकर बीमा कंपनियां लोगों को अपनी योजनाओं का हिस्सा बनने के लिए तो तैयार कर लेती हैं, लेकिन जब इलाज पर हुए खर्च की भरपाई करने का वक्त आता है, तो उसमें कई तरह की अड़चन पेश कर दी जाती है या कई बार मना भी कर दिया जाता है।

निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच मिलीभगत के सहारे चल रही इस गड़बड़ी के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, लेकिन अब तक इस तरह के घोटालों पर रोक को लेकर सरकार की ओर से कोई ठोस सक्रियता नहीं देखी गई है। हाल ही में यह मसला संसद में उठाया गया, जिसमें सरकार से स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की मांग की गई। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने संसद में कहा कि निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का ऐसा मकड़जाल बन गया है, जो आम लोगों की कमर तोड़ रहा है।

अक्सर ऐसे मामले देखे जाते हैं, जिसमें अस्पताल में मरीज की मौत हो जाती है और नियमों का हवाला देकर या अलग-अलग कारण बता कर बीमा कंपनी दावे को खारिज कर देती है। इलाज के दौरान अस्पताल में किसी मरीज की मौत हो जाती है, तो कई बार खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल शव देने तक से इनकार कर देता है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसी स्थिति में मरीज के परिजन किस तकलीफ से गुजरते होंगे। सवाल है कि बीमा कराने के लिए लोगों को आकर्षित करने के कारोबार को इजाजत देने वाले संबंधित सरकारी महकमे इस तरह की मनमानियों के खिलाफ क्या कदम उठाते हैं। इसी मसले पर एक अन्य राज्यसभा सांसद संजय यादव ने कहा कि कंपनियां हर साल करोड़ों रुपए का प्रीमियम तो इकट्ठा करती हैं, लेकिन जब इलाज के बाद मरीज या उसके परिजन खर्च के भुगतान के लिए संपर्क करते हैं, तो वे अलग-अलग तकनीकी कारणों का हवाला देकर रकम का एक बड़ा हिस्सा काट लेती हैं।

असल में कंपनियां जब लोगों को बीमा कराने का भरोसा दे रही होती हैं, तब नियम-शर्तों को बताने के मामले में स्पष्टता और पारदर्शिता नहीं बरती जाती। दूसरी ओर, ज्यादातर लोग अस्पष्ट और जटिल स्वरूप में दर्ज नियमों के मामले को कंपनी के भरोसे पर छोड़ देते हैं। बाद में कंपनियां लोगों के इसी भरोसे का फायदा उठा कर नियमों को आधार बनाती हैं। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आइआरडीए) के 2024 के आंकड़े के मुताबिक, एक ही वर्ष में करीब छब्बीस हजार करोड़ रुपए के बीमा दावे खारिज हुए। किसी अस्पताल में भर्ती होने और इलाज पर आए खर्च के मुकाबले काफी कम रकम का भुगतान करने के मामले आम रहे हैं।

इस बात की पड़ताल की जानी चाहिए कि क्या बड़े निजी अस्पताल और बीमा कंपनियों के बीच कोई सांठगांठ है, जिसके तहत किसी व्यक्ति को बीमा कराने के लिए तैयार करने से लेकर इलाज कराने के लिए अस्पताल का चुनाव करने, खर्च के भुगतान के दावे पर निर्णय लेने का कोई संजाल काम करता है। इस तरह के गठजोड़ की जांच कर गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और शिकायतों से निपटने लिए एक राष्ट्रीय मानक बनाने की जरूरत है, ताकि मरीजों के भरोसे और उनकी सेहत का सौदा न किया जा सके।

भारत सरकार की चुप्पी

भारत सरकार की चुप्पी देश में लाचारी का बोध पैदा कर रही है। भारतीय विदेश नीति ऐसे मुकाम पर क्यों आ पहुंची, जिसमें ना कोई स्पष्ट रुख दिखता है, और ना ही देश की स्वतंत्र पहचान की रक्षा करने की कोई रणनीति?

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद के दोनों सदनों में बयान दिया, लेकिन विपक्षी सदस्यों को उस पर सवाल पूछने या स्पष्टीकरण मांगने का मौका नहीं दिया गया। विपक्ष इस बेहद गंभीर संकट पर संसद में बहस चाहता है, लेकिन सत्ता पक्ष को उस पर एतराज है! नतीजतन, सरकार जितना कहना चाहती थी, उसके अतिरिक्त जो असमंजस लोगों के मन में हैं, उस पर अस्पष्टता बनी रह गई है। ऐसी कुछ बातों को बाद में कांग्रेस ने अपने सार्वजनिक बयान में शामिल किया।

इसमें ध्यान दिलाया गया कि विदेश मंत्री ने ईरानी नौसेना के जहाज दिना को भारतीय रणनीतिक क्षेत्र में डुबोने की अमेरिकी कार्रवाई पर विरोध नहीं जताया, ना ही उन्होंने एक संप्रभु राष्ट्र के राज्य-प्रमुख की हत्या की निंदा की। ना ही उन्होंने जारी युद्ध से भारत के सामने आईं गंभीर भू-आर्थिक और भू-राजनीतिक चुनौतियों के समाधान के बारे में कोई राय रखी। कांग्रेस ने कहा कि इस समय विश्व प्रणाली में आ रहे बुनियादी परिवर्तन के मद्देनजर भारत को क्या नजरिया अपनाना चाहिए, विदेश मंत्री इस संबंध में भी कोई अंतर्दृष्टि सामने रखने में विफल रहे। ये वो बातें हैं, जो भारतीय जनमत के एक बड़े हिस्से के मन में हैं।

जनमत का यह हिस्सा इनको लेकर ना सिर्फ चिंतित है, बल्कि वैश्विक विमर्श में भारत की अनुपस्थिति देखकर आहत भी है। यह व्यग्रता तब और बढ़ जाती है, जब अमेरिकी अधिकारी भारत को 'अनुमति देने' की बात करते हैं और उनकी 'निर्देशों' का पालन करने की भारत की 'अच्छी भूमिका' की तारीफ करते हैं। उनमें से कोई अधिकारी जब भारत की जमीन पर आकर ये एलान करता है कि अमेरिका चीन की तरह भारत के उदय में सहायक नहीं बनेगा, तो ये बेचैनी आक्रोश में बदल जाती है। इन सब पर भारत सरकार की चुप्पी देश में लाचारी का बोध पैदा कर रही है। ऐसे में ये सवाल प्रासंगिक है कि आखिर भारत की विदेश नीति ऐसे मुकाम पर क्यों आ पहुंची, जिसमें ना कोई स्पष्ट रुख नजर आता है, और ना ही देश की स्वतंत्र पहचान की रक्षा करने की कोई रणनीति?

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रमुख खबरें

प्रभंजय चतुर्वेदी के भजनों व गजलों का प्रसारण कल

भिलाई। श्रीराम नवमी के अवसर पर आकाशवाणी रायपुर द्वारा विशेष प्रसारण के अंतर्गत विख्यात भजन गायक प्रभंजय चतुर्वेदी द्वारा गाए गए श्रीराम भजनों का विशेष प्रसारण 23 मार्च को सुबह 9.45 बजे से और गजलों का प्रसारण रात को 8.15 बजे किया जाएगा, जिसमें प्रभंजय द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही रात्रिकालीन सभा में गजलों का प्रसारण किया जाएगा। प्रभंजय के साथ वॉयलिन पर कीर्ति व्यास, बांसुरी पर दुष्यंत हरमुख, तबले पर रविंद्र कर्मकार संगत करेंगे। श्रीराम नवमी के उपलक्ष्य में रिकॉर्ड किए गए इन सभी भजनों का प्रसारण आकाशवाणी छत्तीसगढ़ के सभी केन्द्रों से एक साथ प्रसारित किया जाएगा।

जन्मकल्याणक उत्सव के लिए प्रभु को अर्पित की गई पत्रिका

दुर्ग। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव की शुरुआत से पहले शनिवार को ऋषभ नगर स्थित जैन श्वेतांबर मंदिर उपाश्रय में महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव की पत्रिका का कुमकुम और पत्रिका लेखन का कार्य समाज के वरिष्ठों की उपस्थिति में हुआ। इसमें बड़ी संख्या में सकल जैन समाज के लोग शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से ओसवाल पंचायत, सकल जैन समाज, जैन समाज के विभिन्न घटक दलों के लोग शामिल रहे। दुर्ग नगर में स्थित दिगंबर और श्वेताम्बर समाज के विभिन्न मंदिरों में पत्रिका लेखन के बाद आमंत्रण पत्रिका परमात्मा के चरणों में चढ़ाई गई। उसके बाद सभी घरों में बांटा गया। आदिनाथ जैन मंदिर गांधी चौक, दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, ऋषभदेव श्वेतांबर मंदिर, सहित सभी जैन मंदिरों में न्यौता दिया गया।

पाटणकर कन्या महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में विकसित भारत पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के अर्थषास्त्र विभाग में 20 मार्च को समृद्ध छत्तीसगढ़-विकसित भारत की ओर विषय पर पोस्टर प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्षन में किया गया। एमएस द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं ने बड़े उत्साह से इसमें अपनी भागीदारी दी। इस अवसर पर प्राचार्य महोदया ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि छग विकास के दौड़ में अन्य राज्यों से कई मामलों में आगे चल रहा है। यहां ऊर्जा, कृषि, पर्यटन, तकनीक एवं षिक्षा के क्षेत्र में विकास को ध्यान में रखकर शासन कई महत्वपूर्ण योजनाऐं चला रही हैं। जिससे राज्य का विकास तेजी से हो रहा है। छात्राओं ने इसे अपने पोस्टर में बहुत ही सुंदर रूप से

प्रस्तुत किया है।

अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ मुक्ता बाखला ने कहा कि समृद्ध छत्तीसगढ़-विकसित भारत की ओर विषय को पोस्टर प्रस्तुतीकरण के रूप में लेने का उद्देष्य छात्राओं को राज्य के विकास के प्रति जागरूक करना एवं विकास की संभावनाओं को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित करना है। डॉ दीपक कश्यप ने कहा कि छात्राओं ने अपने पोस्टर में राज्य के प्राकृतिक संसाधन, कृषि एवं ग्रामीण विकास, औद्योगिक विकास, मानव विकास, डिजिटल एवं आधारभूत संरचना इन सभी क्षेत्रों में विकास को आकर्षक रूप से प्रस्तुत किया है। डॉ कमलेश चेलक ने सभी निर्णायकों को अपना बहुमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ रीमारानी दास, डॉ मोनिया राकेश, श्रीमती ज्योति भरणे एवं डॉ संध्या सिंह यादव उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय तनाव का असरः भिलाई के उद्योगों पर गैस संकट की मार, कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। अंतरराष्ट्रीय तनाव की आंच अब सीधे भिलाई के उद्योगों तक पहुंच गई है। कमर्शियल एलपीजी गैस की भारी कमी ने औद्योगिक गतिविधियों की रफ्तार धीमी कर दी है, जिससे उत्पादन ठप होने और हजारों श्रमिकों के रोजगार पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर के दरवाजे पहुंचा और तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

चेंबर के महामंत्री अजय भसीन और उद्योग चेंबर भिलाई के अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में बताया कि ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर एलपीजी की आपूर्ति पर पड़ा है। इसका सीधा असर भिलाई और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों पर दिख रहा है, जहां सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग पूरी तरह गैस पर निर्भर हैं। गैस की कमी के चलते उत्पादन कार्य लगभग ठप होने की कगार पर है।

मार्च का महीना उद्योगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यह वित्तीय वर्ष का अंतिम चरण होता है। इस समय कंपनियों को अपने वर्क ऑर्डर समय सीमा में पूरे करने होते हैं, लेकिन गैस की कमी ने इस पूरी प्रक्रिया को बाधित कर दिया है। उद्यमियों को भारी पेनाल्टी और लगातार आर्थिक नुकसान का खतरा सताने

लगा है।

स्थिति सिर्फ उद्योगों तक सीमित नहीं है। चेंबर के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अगर यही हालात रहे तो श्रमिकों के सामने बेरोजगारी का संकट खड़ा हो जाएगा। हजारों परिवारों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। इसके साथ ही होटल और रेस्टोरेंट व्यवसाय भी गैस की किल्लत और बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं, जिससे उनका संचालन प्रभावित हो रहा है।

चेंबर ने प्रशासन से मांग की है कि औद्योगिक इकाइयों को प्राथमिकता के आधार पर गैस उपलब्ध कराई जाए, कालाबाजारी और अनियमित वितरण पर सख्त निगरानी रखी जाए और आपूर्ति श्रृंखला को दुरुस्त करने के लिए तेल कंपनियों को निर्देश दिए जाएं। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो स्थानीय अर्थव्यवस्था को भारी और अपूरणीय नुकसान हो सकता है।

कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को समझते हुए आश्वासन दिया है कि संबंधित विभागों और गैस कंपनियों से जल्द चर्चा कर समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

यह संकट केवल गैस की कमी का नहीं, बल्कि पूरे औद्योगिक तंत्र और रोजगार की सुरक्षा का सवाल बन चुका है। समय पर हस्तक्षेप ही भिलाई की औद्योगिक धड़कन को थमने से बचा सकता है।

31 मार्च तक सप्ताहांत में भी खुलेंगे टैक्स काउंटर

दुर्ग। नगर पालिक निगम, वित्तीय वर्ष के अंतिम चरण में नगर निगम दुर्ग द्वारा संपत्तिकर एवं अन्य करों की वसूली को लेकर सख्ती बरतने की तैयारी शुरू कर दी गई है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि लंबे समय से कर राशि जमा नहीं करने वाले करदाताओं के विरुद्ध अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम आयुक्त ने शहरवासियों से अपील की है कि वे 31 मार्च से पहले अपने सभी बकाया करों का भुगतान कर दें, ताकि किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके। निर्धारित तिथि के बाद बकाया करों पर 17 प्रतिशत अधिभार के साथ की जाएगी।

10 साल की बच्ची ने घर पर लगाई फांसी, आत्मानंद स्कूल की थी छात्रा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के जामुल थाना क्षेत्र से एक दुखद घटना सामने आई है, जहां गणेश नगर वार्ड-5 में रहने वाली 10 वर्षीय बच्ची गुरप्रीत कौर ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। वह स्वामी आत्मानंद स्कूल की कक्षा चौथी की छात्रा थी।

गुरुवार 19 मार्च की शाम को खुशी का अपने बड़े भाई से किसी बात पर विवाद हुआ था। भाई की डांट से तनाव में आकर चौथी कक्षा की इस छात्रा ने कमरे में जाकर आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना के समय घर में कोई बड़ा सदस्य मौजूद नहीं था। पिता पेशे से ड्राइवर हैं और मां ब्यूटी पार्लर गई हुई थी।

शोर सुनकर जब पड़ोसी और परिजन पहुंचे तो बच्ची को तुरंत भिलाई के बीएम शाह अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, खुशी स्वामी आत्मानंद स्कूल जामुल की छात्रा थी। शुक्रवार को गमगीन माहौल में बच्ची का अंतिम संस्कार किया गया। फिलहाल जामुल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रेम और सद्भाव के आदर्श हैं श्रीरामः आचार्य डॉ. शर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। साहित्य-संस्कृति मर्मज्ञ आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा ने हाल ही में चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन भोपाल में सहभागिता दी। डॉ. शर्मा ने सामाजिक समरसता के आदर्श श्री राम -वनवासी समाज के विशेष सन्दर्भ में शीर्षक से अपना शोध-पत्र प्रस्तुत किया।

तुलसी मानस प्रतिष्ठान और रामायण केन्द्र भोपाल ने श्रीरामचन्द्र पथ गमन न्यास संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश शासन के सहयोग से उक्त समारोह आयोजित किया गया। सम्मेलन में डॉ शर्मा के शोध-पत्र को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। मुख्य अतिथि एवं हरियाणा और

त्रिपुरा के पूर्व राज्यपाल प्रो.कप्तान सिंह सोलंकी ने सर्वश्रेष्ठ शोध-पत्र प्रस्तुति हेतु आचार्य डॉ. शर्मा को सम्मान-पत्र के साथ सम्मान राशि भेंट की।

उल्लेखनीय है कि भारत के 8 राज्यों और विश्व के ब्रिटेन, अमेरिका, रूस, नार्वे, जापान, मॉरीशस एवं श्रीलंका आदि देशों के विद्वानों ने भी इस सम्मेलन में सहभागिता की।

सम्मेलन में डॉ. शर्मा ने कहा कि सामाजिक समरसता, प्रेम और सद्भाव के प्रेरणा पुरुष हैं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम। रावण की मृत्यु के बाद वे विभीषण से उसके उचित अन्तिम संस्कार हेतु कहते हैं। उनके अनुसार उसकी मृत्यु के साथ ही बैर समाप्त हो गया, अब जैसा वह विभीषण के लिये है, वैसा ही उनके लिये भी है। माता शबरी से भी उन्होंने कहा था कि वे केवल भक्ति का ही नाता मानते हैं, ऊंच-नीच, अमीर-गरीब और जाति-पाँति नहीं। उन्होंने आगे कहा कि श्री राम को राज्याभिषेक की सूचना से सुख नहीं मिलता है और न ही वनवास की सूचना से दुख होता है। वे लोकाराधन और जनमत के सम्मान में सब-कुछ त्याग सकते हैं।

रोटरी क्लब सदस्यों ने गोवंश को बांधे रेडियम बेल्ट, रात के अंधेरे में चमककर करेंगे सुरक्षित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। रोटरी क्लब ऑफ भिलाई जीनियस के पदाधिकारियों ने गोवंश को दुर्घटना से बचाने अनूठी पहल की है। क्लब के सदस्यों ने दुर्ग-भिलाई के विभिन्न हिस्सों में घूम-घूम कर गोवंश को रेडियम बेल्ट बांधी। जिससे रात के वक्त गोवंश दूर से दिख जाए और संभावित दुर्घटनाएं रोकी जाए।

क्लब के प्रेसिडेंट रोटेरियन अभिलाष जोशी ने बताया कि सहित विभिन्न व्यस्ततम मार्गों में 175 गोवंश को रेडियम बेल्ट बाँधा गया। इस कार्य में क्लब के सचिव रोटेरियन कमल चौहान, रोटेरियन संजय अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों का योगदान रहा। उन्होंने बताया कि क्लब की ओर से इस वर्ष का लक्ष्य मानव अंग, रक्त और नेत्रदान तथा शरीर दान के प्रति जागरुकता बढ़ाना है। स्मृति नगर, जुनवानी, नेहरू नगर, स्टेशन रोड दुर्ग, धमधा रोड, मालवीय नगर और पद्मनाभपुर इस वर्ष अब तक 5 शरीर दान किए जा चुके हैं और 21 नेत्रदान किए जा चुके हैं।

साईं झूलेलाल की प्रतिमाएं तालाब में की विसर्जित

भिलाई। साईं झूलेलाल धाम, 32 एकड़ हाउसिंग बोर्ड भिलाई में घरों में स्थापित साईं झूलेलाल की मूर्तियों के घासीदास नगर तालाब में विसर्जन के साथ शनिवार को जयंती महोत्सव का समापन किया गया। यहां 16 से 21 मार्च तक इष्ट देव की जयंती पर विभिन्न आयोजन किए गए। प्रभातफेरी में सफेद रंग के ड्रेस कोड से सत्य एवं अहिंसा की राह पर चलने का संदेश दिया गया। अध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र कृष्णानी ने अपनी संस्कृति व बोली को बचाने का प्रण समाज को दिलाया। घर में बच्चों से सिंधी में ही बात करने की अपील की। झूलेलाल के बहिराणा साहेब की पूजा, अर्चना, सत्संग, भजन, कीर्तन और सुखमनी साहेब का पाठ किया गया।

कलेक्टर जनदर्शन में कई समस्याओं का हुआ निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

दल्लीराजहरा। आयोजित कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम जिले के विभिन्न स्थानों से अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु पहुँचे आम नागरिकों के लिए राहत भरा साबित हुआ।

इस दौरान कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से मधुर एवं आत्मीय बातचीत कर उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर आवेदकों के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। जनदर्शन में ग्राम भेंडी के सरपंच ने गांव में पेयजल समस्या के निराकरण हेतु

आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह दल्लीराजहरा की चेतना साहू ने वार्ड नंबर 21 में पानी निकासी एवं नाली निर्माण, गुरूर विकासखण्ड के ग्राम बोरिदकला के मनकी बाई, बबली साहू एवं लिमउडीह के दुलेश्वर साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लाभ दिलाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। इसी तरह डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम चिखली के ढालेश्वर साहू प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत किश्त की राशि प्रदान करने, ग्राम बरही के ग्रामीणों ने नाली निर्माण कराने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए।

जनदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में लोग कलेक्टर से मुलाकात करने पहुँचे थे। कलेक्टर मिश्रा ने जनदर्शन में पहुँचे लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर पूरी आत्मीयता से उनके मांगों एवं समस्याओं को सुना। मिश्रा ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से जनदर्शन में पहुँचे लोगों के मांगों एवं समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक, अजय किशोर लकरा एवं नूतन कंवर, संयुक्त कलेक्टर मधुहर्ष सहित राजस्व अनुविभागीय एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

आस्था की ज्योति से जगमगाया डुंडेरा का मां शीतला धाम, 117 ज्योत जंवारा स्थापित

दुर्ग। पहले की तरह ही इस चैत्र नवरात्रि के अवसर पर भी डुंडेरा में माता शीतला के मन्दिर की झलक ने श्रद्धालुओं को भक्तिमय कर दिया। नवरात्रि के पहले दिन पूजा सम्पन्न हुई। साथ ही साथ ज्योति कलश की स्थापना की गई। इस चैत्र नवरात्रि में 114 तेल, 3 घी और 20 जोत जंवारा की स्थापना ग्रामीणों के सहयोग से हुई। इसके अलावा गांव के पांच घरों में जोत जंवारा रखी गई है। पहले दिन से ही माता शीतला मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। जसगीत से गूंज रहा है मंदिर। नौ दिन तक चलने वाला शक्ति की उपासना का यह पर्व 19 मार्च से प्रारम्भ होकर 27 मार्च शुक्रवार को रामनवमी के दिन गांव का भ्रमण कर जंवारा विसर्जन होगा। नवयुवा जागरण मां शीतला सेवा समिति के सदस्य, आने वाले दिनों में भीड़ बढ़ने की संभावना को देखते हुए किसी भी प्रकार से दर्शन करने वालों को परेशानी न हो इसका ध्यान रखते हुए सजग और तत्परता के साथ जुटे हुए हैं।

जामुल में झपटमारी का खेल खत्म, आरोपी-खरीदार दोनों सपड़ाए

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। सुबह की सैर पर निकली बुजुर्ग महिला को निशाना बनाकर चेन झपटने वाले शातिर को दुर्ग पुलिस ने चंद दिनों में ही पकड़ लिया। इतना ही नहीं, चोरी का माल खरीदने वाले ज्वेलर्स तक पुलिस ने पहुंच बनाकर पूरे नेटवर्क का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी और खरीदार दोनों को गिरफ्तार कर सोने की चैन और घटना में इस्तेमाल स्कूटी भी बरामद कर ली है।

घटना 19 मार्च की सुबह करीब 7:15 बजे की है, जब भिलाई के हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में रहने वाली शशि गोंड रोज की तरह टहलने निकली थीं। इसी दौरान एक अज्ञात युवक स्कूटी से आया और अचानक झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चैन छीनकर फरार हो गया। घटना से इलाके में दहशत फैल गई और पीड़िता ने तुरंत थाना जामुल में शिकायत दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए

पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और तकनीकी विश्लेषण के जरिए आरोपी की पहचान ज्वाला बैरागी (42 वर्ष) के रूप में की गई। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने अपराध स्वीकार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने झपटमारी की गई सोने की चैन रायपुर के रामनगर स्थित एक ज्वेलर्स को बेच दी थी। इस सुराग के आधार पर पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए दूसरे आरोपी अनुज सोनी को भी गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से सोने का गहना बरामद कर लिया। बरामद चैन की कीमत करीब 55 हजार रुपये बताई गई है। साथ ही घटना में प्रयुक्त स्कूटी भी जब्त की गई।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 304(2) और 112(2) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने आर्थिक लाभ के लिए इस वारदात को अंजाम दिया था।

इस पूरी कार्रवाई में थाना जामुल और एसीसीयू टीम की संयुक्त भूमिका अहम रही, जिन्होंने तेजी और सटीकता से मामले का खुलासा किया। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सुबह या सुनसान इलाकों में सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

यह घटना एक बार फिर यह संकेत देती है कि अपराधी मौके की तलाश में रहते हैं, लेकिन सतर्क पुलिस और जागरूक नागरिक मिलकर ऐसे अपराधों पर लगाम लगा सकते हैं।

किसानों से किया हर एक वादा पूरा कर रही है हमारी सरकार: साय

मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेले का किया शुभारंभ, आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने और तिलहन उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर विशेष जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र में दो दिवसीय राज्य स्तरीय तिलहन किसान मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर किसानों को दी जा रही आधुनिक कृषि तकनीकों और तिलहन उत्पादन बढ़ाने के उपायों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत साल का पौधा रोपित किया और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, जहां लगभग 80 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों से धान की खरीदी 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से 3100 रुपये में कर रही है तथा अंतर की राशि का भुगतान भी एकमुश्त किया जा रहा है। श्री साय ने कहा कि पिछले 2 वर्षों से हमारी सरकार किसानों से किया हर एक वादा पूरा कर रही है। उन्होंने किसानों से संवाद कर होली के पूर्व धान के अंतर की राशि का भुगतान तथा योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी भी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है, लेकिन तिलहन उत्पादन में अभी भी कमी है। वर्तमान में देश अपनी आवश्यकता का लगभग 57 प्रतिशत ही तिलहन उत्पादन कर पा रहा है, शेष 43 प्रतिशत आयात करना पड़ता है। इस कमी को दूर करने के लिए तिलहन विकास परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों के सुझावों को अपनाकर तिलहन उत्पादन बढ़ाएं। उन्होंने जानकारी दी कि कृषक उन्नति योजना की तर्ज पर तिलहन फसलों के लिए प्रति एकड़ 11 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन जैसे सहायक व्यवसायों को अपनाकर आय बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि जीएसटी में सुधार के बाद कृषि यंत्रों की कीमतों में कमी आई है, जिससे किसानों को लाभ मिल रहा है।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को खाद्य तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना आवश्यक है। उन्होंने किसानों से दलहन एवं तिलहन फसलों का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने तिलहन विकास कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि किसानों को विश्वविद्यालय के माध्यम से उन्नत बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राज्य में संचालित 28 कृषि महाविद्यालयों, 27 कृषि विज्ञान केंद्रों एवं अनुसंधान संस्थानों के जरिए हर वर्ष लगभग 50 हजार किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस अवसर पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक प्रबोध मिंज, विधायक रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर मंजूषा भगत, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष राम किशुन सिंह, सभापति हरविंदर सिंह, राम लखन पैंकरा, संभाग आयुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

खास खबर

गंगरेल बांध पर पहली बार बोट चैंपियनशिप, 52 टीमें दिखाएंगी दम

धमतरी। गंगरेल बांध एक बार फिर ऐतिहासिक आयोजन का गवाह बनने जा रहा है। यहां पहली बार महानदी रिवर बोट चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कुल 52 टीमें हिस्सा लेंगी। 'गंगरेल नौकायान उत्सव' के तहत होने वाला यह आयोजन न सिर्फ खेल प्रेमियों के लिए खास है, बल्कि जिले के पर्यटन को नई पहचान देने की दिशा में भी अहम कदम माना जा रहा है। रविवार दोपहर 3 बजे से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता में धमतरी सहित आसपास के जिलों की टीमें भाग लेंगी। करीब 1000 मीटर लंबी रेस मचान हाट प्वाइंट से ब्लू एडवेंचर स्पोर्ट्स प्वाइंट तक आयोजित होगी, जहां प्रतिभागी अपनी ताकत, तालमेल और संतुलन का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन की सबसे खास बात महिला टीमों की भागीदारी है। ग्राम लिर्रा की तीन महिला टीमें पारंपरिक लकड़ी की नाव के साथ प्रतियोगिता में उतर रही हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उनका उत्साह और जज्बा इस आयोजन को और भी खास बना रहा है। यह चैंपियनशिप रोमांच, परंपरा और महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम पेश करेगी, जिससे धमतरी को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

2.45 किमी सड़क का कार्य मानक अनुसार कराया गया पूर्ण

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत आरडीसी रोड से बाकल लंबाई 2.45 किलो मीटर मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। निर्माण के दौरान विभाग द्वारा गुणवत्ता मानकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सतत निगरानी रखी गई। वर्तमान में पूरे मार्ग का डामरीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा गुणवत्ता परीक्षण में कार्य संतोषजनक पाया गया है। वभाग ने स्पष्ट किया है कि पीएमजीएसवाई के तहत सड़कों की मजबूती और दीर्घकालिक गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्राथमिक उद्देश्य है। अधीक्षण अभियंता दुर्ग संभाग बीएस पटेल द्वारा सड़क का निरीक्षण किया गया, जिसमें पूर्व में बिछाए गए ओवरहीट मटेरियल एवं उसके स्थान पर किए गए सुधार कार्य की समीक्षा की गई। उन्होंने सुधार कार्य को मानक अनुरूप पाते हुए संतोष व्यक्त किया। कार्यपालन अभियंता ने बताया कि डामरीकरण के दौरान ठेकेदार लेखराम साहू के प्लांट में अचानक तकनीकी खराबी आने से डामर मिश्रण ओवरहीट हो गया, जो उपयोग के लिए अनुपयुक्त था।

खेल-खेल में विकास : जशपुर के आंगनबाड़ी केंद्रों में 'बाल मैत्री' पहल

जशपुरनगर। महिला बाल विकास विभाग द्वारा विगत दिवस जिला कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक कुमार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अजय शर्मा के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जशपुर के अंतर्गत सभी 17 परियोजनाओं के 118 सेक्टर के आंगनबाड़ी केन्द्रों में बाल मैत्री कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आंगनबाड़ी केन्द्रों के 04 से 06 वर्ष के बच्चों को केन्द्र के निकटतम प्राथमिक शालाओं का एक दिवसीय भ्रमण करवाया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों मे बच्चों को सहज एवं अनौपचारिक वातावरण में खेल आधारित गतिविधियों के माध्यम से शाला पूर्व शिक्षा प्राप्त होती है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे विजिलेंस विभाग में वीडियो रिकॉर्डिंग प्रणाली का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के विजिलेंस विभाग में वीडियो रिकॉर्डिंग प्रणाली का आज उद्घाटन किया गया। इस अत्याधुनिक प्रणाली का उद्घाटन तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक, विजय कुमार साहू, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक मनोज गुरुमुखी तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

यह पहल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पारदर्शिता को बढ़ावा देने, विजिलेंस जागरूकता फैलाने तथा डिजिटल माध्यम से सतत प्रशिक्षण और क्षमता विकास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रणाली की प्रमुख विशेषताएं

विजिलेंस जागरूकता हेतु वीडियो कंटेंट निर्माण: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच विजिलेंस संबंधी जागरूकता फैलाने के लिए विशेष मल्टीमीडिया कंटेंट तैयार किया जाएगा।

तकनीकी एवं ज्ञानवर्धक मॉड्यूल: विभिन्न कार्यकारी विभागों द्वारा तकनीकी एवं अन्य विषयों पर वीडियो मॉड्यूल तैयार किए जाएंगे, जिससे फील्ड अधिकारियों के ज्ञान, कौशल एवं दक्षता में वृद्धि होगी।

24×7 उपलब्धता एवं सुलभता: रिकॉर्डेड कंटेंट की चौबीसों घंटे उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे अधिकारी कभी भी, कहीं भी इसका उपयोग कर सकेंगे।

उच्च क्षमता डिजिटल स्टोरेज: सभी विभागों के लिए 6 ञक्र डिजिटल स्टोरेज उपलब्ध कराया गया है। (लगभग 1 GB प्रति 10 मिनट HD वीडियो @ 100 MB/मिनट के अनुसार, इसमें लगभग 6000 वीडियो (प्रत्येक 10 मिनट) संग्रहीत किए जा सकते हैं।)

* वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा: विभागों के बीच प्रशिक्षण, बैठक एवं संवाद के लिए आधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा उपलब्ध है।

उद्देश्य एवं उपयोगिता

यह सुविधा केवल विजिलेंस विभाग तक सीमित नहीं है, बल्कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी विभागों के लिए उपयोगी होगी। इसके माध्यम से विभिन्न स्तरों के रेलवे कर्मचारियों के लिए उपयुक्त मल्टीमीडिया प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए जाएंगे, जिनमें डोमेन ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल का भी समावेश होगा।

यह प्रणाली संस्थागत ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, कार्यकुशलता में सुधार लाने तथा संगठन में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व की संस्कृति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने विजिलेंस विभाग के इस अभिनव प्रयास की सराहना की तथा तकनीक के माध्यम से क्षमता निर्माण एवं सुशासन को और सुदृढ़ करने पर बल दिया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से बिना किसी चिन्ता के घर में मिल रही बिजली

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने जशपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की नई राह खोल दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन जिले में किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। बगीचा विकासखंड के ग्राम चम्पा निवासी श्री कोइरा राम इसकी एक सशक्त उदाहरण हैं।

उन्होंने अपने घर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 2 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कराया है। श्री कोइरा राम बताते हैं कि सोलर पैनल लगने से पहले उन्हें हर महीने अधिक बिजली बिल चुकाना पड़ता था, जिससे घरेलू खर्च पर अतिरिक्त बोझ पड़ता था। लेकिन सोलर पैनल लगने के बाद उनका बिजली बिल शून्य हो गया है और अब वे बिना किसी चिंता के बिजली का उपयोग कर पा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सोलर पैनल स्थापना की कुल लागत लगभग 1.20 लाख रुपये आई, जिसमें शासन की ओर से 90 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। शेष राशि वहन करना उनके लिए भी आसान हो गया, क्योंकि योजना के अंतर्गत उन्हें समय पर मार्गदर्शन और सहयोग मिला। इससे न केवल उनकी मासिक बचत बढ़ी है, बल्कि वे स्वच्छ और हरित ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण में भी सहभागी बन रहे हैं।

श्री कोइरा राम का कहना है कि यह योजना ग्रामीण परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि इससे एक ओर बिजली खर्च से राहत मिल रही है, वहीं दूसरी ओर आत्मनिर्भरता की भावना भी मजबूत हो रही है।

उन्होंने इस जनहितकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सरकार आम नागरिकों के जीवन को आसान और सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कुदरगढ़ी माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर की प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय चैत्र नवरात्रि की तृतीया तिथि के पावन अवसर पर कुदरगढ़ी माता के दर्शन करने सूरजपुर जिले स्थित कुदरगढ़ी माता मंदिर पहुंचे। कुदरगढ़ महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर उन्होंने मंदिर के नीचे प्रांगण स्थल पर ही हिंगुलाज माता एवं झगरा खाड़ देवता की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार चंदन लगाकर एवं चुनरी चढ़ाकर श्रद्धापूर्वक माता का नमन किया। इस दौरान स्थानीय बैगा श्री राम कुमार बंछोर ने पूजा-अर्चना संपन्न कराई। उनके परिवार की लगभग 10 पीढ़ियां कुदरगढ़ी माता की सेवा में निरंतर लगी हुई हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने उपस्थित श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और सभी को कुदरगढ़ महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम,

वन विकास निगम एवं कुदरगढ़ी मंदिर मां बागेश्वरी लोक न्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष रामसेवक पैंकरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि जनश्रुतियों के अनुसार कुदरगढ़ी माता मंदिर की मान्यता है कि यहां श्रद्धापूर्वक मांगी गई हर मन्नत पूरी होती है। इसी कारणवश जिले सहित प्रदेश एवं अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर माता के दर्शन कर आशीर्वाद लेते हैं।

विकास के पर्याय बने सांसद बृजमोहन अग्रवाल लाखों के विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी के चहुंमुखी विकास और जन-सुविधाओं के विस्तार हेतु संकल्पित वरिष्ठ भाजपा नेता एवं लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शनिवार को रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक 02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 13 एवं 28 में सांसद निधि से होने वाले 35 लाख की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

देवेंद्र नगर स्थित गुजराती ब्रह्म समाज 'दयाभवन' में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में श्री अग्रवाल ने शिलापट्ट का अनावरण कर कार्यों की आधारशिला रखी। इन विकास कार्यों के तहत प्रमुख रूप से दयाभवन में द्वितीय तल पर अतिरिक्त भवन निर्माण, श्री बालाजी विद्या मंदिर स्कूल परिसर में सांस्कृतिक गतिविधियों हेतु आधुनिक भवन का निर्माण और मंडी कॉलोनी, लोधी पारा स्थित लोधी भवन में सामाजिक कार्यक्रमों हेतु अतिरिक्त कक्ष का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने अपने चार दशकों के जनसेवा के सफर को याद किया।

उन्होंने कहा पिछले करीब 40 वर्षों में रायपुर में हमने 1000 से अधिक सामुदायिक भवनों का जाल बिछाया है। मेरा लक्ष्य केवल ईंट-गारे की दीवारें खड़ा करना नहीं, बल्कि इन भवनों को जीवंत बनाना है। अब समय आ गया है कि इन भवनों का उपयोग सिलाई, कंप्यूटर प्रशिक्षण और स्किल डेवलपमेंट जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के लिए हो, ताकि हमारी माताएं-बहनें और युवा आत्मनिर्भर बन सकें।

उन्होंने यहां कंप्यूटर क्लास शुरू करने के लिए 5 लाख रुपए अतिरिक्त देने की घोषणा की। कार्यक्रम में विधायक, रायपुर उत्तर पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, सभापति, नगर निगम सूर्यकांत राठौर, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, पार्षदगण महेंद्र खोडियाड एवं अवतार बादल, गुजराती ब्रह्म समाज अध्यक्ष कीर्ति भाई व्यास सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। उपस्थित जनसमूह ने सांसद श्री अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें विकास पुरुष के रूप में सराहा, जिन्होंने निरंतर रायपुर की अधोसंरचना को नई ऊंचाई प्रदान की है।

दुर्ग स्टेशन पर चलाया गया औचक खानपान जांच अभियान

विशेष गहन अभियान में अनाधिकृत वेंडर एवं बिना लगेज बुक के फल पकड़े गये

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। रेलवे प्रशासन द्वारा अधिकृत वेंडरों के माध्यम से गाडियों तथा स्टेशनों में गुणवत्तायुक्त खानपान की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। स्टेशनों एवं गाडियों में यात्रियों को उपलब्ध कराई गई खानपान की गुणवत्ता को बरकरार रखने तथा उसमें लगातार सुधार हेतु रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग की टीम द्वारा ट्रेनों तथा प्रमुख स्टेशनों में अनाधिकृत वेंडरों की रोकथाम हेतु नियमित रूप से खानपान जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इसी संदर्भ में वाणिज्य विभाग द्वारा 20.03.2026 को 21:00 बजे से 21.03.2026 को 1:00 बजे तक दुर्ग स्टेशन पर अनाधिकृत वेंडरों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एक विशेष गहन अभियान चलाया गया। दुर्ग स्टेशन से गुजरने वाली सभी ट्रेनों की जाँच की गई विशेष रूप से रात की ट्रेनों की जाँच की गई।

इस अभियान के परिणाम इस प्रकार हैं: (1) 1 0 अनधिकृत विक्रेताओं को आरपीएफको सौंप दिया गया और उन पर धारा 144 और 147 के तहत मामला दर्ज किया गया।

(2) दुर्ग स्टेशन के प्लेटफार्म पर 547 किलो फलों को जप्त किया गया क्योंकि यह सामान बिना पार्सल की अनुमति के रखा था। जिसमें केला, तरबूज, अंगूर एवं खीरा जो कि लगभग 39 कैरेट में भरा हुआ था साथ ही 11 खाली कैरेट भी पकड़े गए जो लगभग 25 किलो के थे सभी सामग्री को अग्रिम कार्रवाई के लिए चीफ पार्सल सुपरवाइजर दुर्ग के अधीन जमा किया गया । (3) 04 यात्रियों को प्लेटफार्म पर धूम्रपान करते हुए पकड़ा गया जिन्हें 800 का फाइन किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के मार्गदर्शन में एक विशेष गहन अभियान ऑपरेशन क्लीन गोपनीय योजना के रूप में शुरू किया गया है । यात्रियों की सुविधा एवं व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए नियमित रूप से निगरानी अभियान ऑपरेशन क्लीन चलाता रहेगा। रायपुर रेल मंडल के स्टेशनों पर किसी भी प्रकार की अनियमितता या अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अटल डिजिटल केंद्रों से 2.78 लाख ट्रांजेक्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कोंडागांव जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को सुलभ बनाने अटल डिजिटल केंद्र खोले गए हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गांव में संचालित इन केंद्रों के माध्यम से अब ग्रामीणों को बैंकिंग और शासकीय सेवाएं उनके घर के पास ही मिल रही हैं। इससे शहर जाने की जरूरत कम हुई है और समय के साथ खर्च की भी बचत हो रही है। अटल डिजिटल केंद्रों के जरिए ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं, बिजली बिल जमा, डीटीएच रिचार्ज, महतारी वंदन योजना की राशि आहरण, श्रम कार्ड से जुड़ी सेवाएं, डिजी-पे के माध्यम से शासकीय योजनाओं की राशि प्राप्त करना व वाहन व स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे ग्रामीण अब सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। जिले की 260 ग्राम पंचायतों में वीएलई के साथ एमओयू कर सेवाओं का विस्तार किया गया है। अटल डिजिटल केंद्रों के माध्यम से अब तक 2,78,083 ट्रांजेक्शन किए जा चुके हैं, जिनके जरिए 84 करोड़ 23 लाख 23 हजार 76 रुपये का लेनदेन हुआ है। कोण्डागांव जिले में प्रति वीएलई प्रति महीना

136 ट्रांजेक्शन और 410889 रुपये के साथ कोण्डागांव जिला राज्य में प्रथम स्थान पर हैं।

यह ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। बताया कि इस पहल से ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए शहर नहीं जाना पड़ रहा, जिससे उनकी सुविधा और संतुष्टि दोनों बढ़ी है। जिला प्रशासन द्वारा इस व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के प्रयास जारी हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक इसका लाभ पहुंच सके।

आयशा खान की चमकी किस्मत.....

धुरंधर के बाद अब राम चरण की फिल्म पेड्डी के आइटम सांग में आएंगी नजर

बिग बॉस फेम आयशा खान के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर है। तभी तो रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर के गाने शरारत से रातों रात स्टार बनने वाली आयशा खान के हाथ एक और बड़ा प्रोजेक्ट लग चुका है। टीवी पर धमाल मचाने के बाद आयशा खान ने बॉलीवुड में धमाल मचाया और अब वो साउथ इंडस्ट्री में भी गदर मचाने को तैयार है।

रिपोर्ट के अनुसार आयशा खान साउथ के सुपरस्टार एक्टर राम चरण की अपकमिंग पेड्डी में एक स्पेशल आइटम सॉन्ग करती हुई नजर आएंगी। पेड्डी का ये स्पेशल सॉन्ग आयशा खान के करियर में मिल का पत्थर साबित हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार पेड्डी के इस स्पेशल सॉन्ग में आयशा खान के संग मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी नजर आ सकती हैं। ये कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि आयशा खान एक के बाद एक कर सफलता की सीढ़ियां चढ़ती हुई नजर आ रही हैं।

बता दें पेड्डी में राम चरण और जाह्नवी कपूर को अहम भूमिका में देखा जाएगा। इन दिनों ये फिल्म रिलीज डेट को लेकर भी सुर्खियों में है। दरअसल, खबरें थीं कि ये फिल्म 30 अप्रैल को रिलीज होगी। लेकिन, लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार पेड्डी की रिलीज डेट में बदलाव हो सकता है।

क्योंकि कहा जा रहा है कि फिल्म के कुछ सीन्स को दोबारा शूट किया जाएगा। धुरंधर की सक्सेस को देखने के बाद राम चरण चाहते हैं कि वो अपनी फिल्म के एक्शन सीन्स पर और काम करें। वहीं आयशा खान की बात करें तो उन्हें कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 में एक्टिंग करते हुए भी देखा गया था।

इस फिल्म में आयशा की एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई थी। इसके अलावा आयशा खान के पास अभी और भी कई प्रोजेक्ट हैं। आयशा खान सोशल मीडिया पर भी खासा एक्टिव रहती हैं। आयशा के इंस्टाग्राम पर 6.4 मिलियन फॉलोवर्स हैं, जो उन्हें बेहद पसंद करते हैं।

फर्जी 2 की रिलीज को लेकर प्राइम वीडियो की अनाउंसमेंट ओटीटी पर बवाल मचाएंगे शाहिद कपूर

शाहिद कपूर की वेब सीरीज फर्जी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और इसकी कहानी ने लोगों का दिल जीत लिया था। इसे राज और डीके ने डायरेक्ट किया था। पहले सीजन की जबरदस्त सफलता के बाद अब फैंस इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इसी बीच प्राइम वीडियो ने 'फर्जी 2' को लेकर बड़ी अनाउंसमेंट कर दी है, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है।

हाल ही में प्राइम वीडियो ने ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि शाहिद कपूर की मोस्ट अवेटेड सीरीज फर्जी 2 इस साल ही रिलीज की जाएगी। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इसकी सटीक रिलीज डेट को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। वहीं अब फैंस का इंतजार और बढ़ गया है।

बता दें, नए सीजन के ऑफिशियल अनाउंसमेंट के साथ-साथ मेकर्स की तरफ से फर्जी 2 से फर्स्ट लुक भी शेयर कर दी गई हैं। जिसमें फर्जी के सन्नी (शाहिद कपूर) और माइकल (विजय सेतुपति) की झलक देखने को मिली है। फर्जी 2 के इन लेटेस्ट पोस्टर्स को देखने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट काफी ज्यादा बढ़ गई है. माना जा रहा है कि फर्जी 2 को इस साल के आखिरी तक ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर ऑनलाइन स्ट्रीम की जाएगी।

बता दें सीरीज फर्जी फरवरी 2023 में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी और अपनी दमदार कहानी और शानदार अभिनय के लिए खूब सराही गई। सीरीज में शाहिद कपूर के साथ विजय सेतुपति, राशी खन्ना, भुवन अरोड़ा और काव्या थापर. अहम भूमिकाओं में नजर आए थे. सीरीज को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी।

श्रुति हासन की लव लाइफ क्यों पटरी से उतरी?

दिग्गज अभिनेता कमल हासन की बेटी और एक्ट्रेस श्रुति हासन बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों में नजर आती हैं। वह अब तक कई अलग-अलग तरह के किरदार निभा चुकी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लव लाइफको लेकर बात की है।

श्रुति हासन का नाम अब तक कई एक्टर्स के साथ जोड़ा गया लेकिन किसी भी रिश्ते को मंजिल नहीं मिली। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी लव लाइफको लेकर कई बातें साझा की हैं। क्यों उनके प्यार की गाड़ी चल नहीं रही है?

लव लाइफ के बारे में श्रुति हासन ने क्या कहा?

मैशेबल इंडिया को दिए गए हालिया इंटरव्यू में श्रुति ने कहा, 'मेरी लव लाइफलॉन्ग डिटेंस होती है। कभी गाने की, कभी फिल्मों की शूटिंग होती है। जब कभी ब्रेक मिलता है तो सामने वाले शख्स को अपनी जिंदगी जीनी होती है। देखिए, हमारी इंडस्ट्री में लगभग सबका यही हाल है।।' श्रुति को तेलुगु अच्छे से बोलने नहीं आती है तो वह इंटरव्यू में कहती हैं कि किसी तेलुगु लड़के को डेट कर लेती हूं, उसके साथ बात करूंगी तो लैंग्वेज सीख जाऊंगी।

खुद को बताया घरेलु लड़की

श्रुति हासन ने आगे इंटरव्यू में बताया कि वह जब वह प्यार में होती हैं तो बिल्कुल घरेलु लड़की बन जाती हैं। वह कहती हैं, 'मैं अपने पार्टनर को पहले खाना खिलाती हूं, उस पर बहुत प्यार लुटाती हूं। अगर उसे बुखार आता है तो उसकी केयर करती हूं। लेकिन यह सब उस शख्स के लिए करती हूं, तो मेरी इन फीलिंग्स को इंपॉर्टेंस देता है।' यह सब बातें बताने के बाद भी श्रुति ने यह नहीं बताया कि वह किसे डेट कर रही हैं।

बोलीं- 'हमारी इंडस्ट्री में सबका यही हाल है'

इस साल कई फिल्मों में नजर आएंगी श्रुति हासन

श्रुति हासन के करियर फ्रंट की बात करें तो वह पिछले साल रजनीकांत की फिल्म 'कुली' में नजर आई थीं। इस साल वह फिल्म 'ट्रेन' और 'सालार 2' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। 'सालार 2' में वह प्रभास के अपोजिट दिखाई देंगी।

अक्षय कुमार से इंस्पायर हुई वामिका गब्बी, हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' में किया यह खास काम

फिल्म 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी भी नजर आएंगी। इस हॉरर फिल्म में वह सिर्फ ग्लैमर का तड़का नहीं लगा रही है, वह अलग ही अंदाज में दर्शकों को देखने को मिलेंगी। फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर वामिका गब्बी काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म में वह बिल्कुल ही अलग अंदाज में दर्शकों से रूबरू होंगी। हाल ही में फिल्म से जुड़ी एक अपडेट सामने आई, जिससे पता चलता है कि एक्ट्रेस खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार से काफी इंस्पायर है। वह उनके नक्शे-कदमों पर चल रही हैं। जानिए, ऐसा क्या कर रही हैं वामिका गब्बी।

अक्षय कुमार के साथ बिठाया तालमेल

सूत्रों के अनुसार फिल्म 'भूत बंगला' में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं। एक्ट्रेस ने एक ट्रेन सीक्वेंस शूट किया, जिसमें वह ट्रेन के किनारे पर खड़ी थीं। इस सीन के लिए अक्षय कुमार के साथ एकदम सही तालमेल और टाइमिंग की जरूरत थी। वामिका ने अक्षय कुमार का पूरा साथ दिया।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि वामिका को इस सीन के लिए अक्षय पर पूरा भरोसा था। उन्होंने बिना किसी एक्सट्रा सपोर्ट के सीन किया।'

टीजर में भी दिखी वामिका गब्बी की झलक

पिछले दिनों फिल्म 'भूत बंगला' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें अक्षय कुमार जहां अपनी कॉमेडी से हंसाते हैं। वहीं डरावना माहौल भी टीजर में दिखता है। अक्षय कुमार का लुक भी टीजर में काफी अलग नजर आया है। कहानी के अलावा बाकी कलाकारों की भी झलक भी टीजर में दिखती है, इसमें वामिका भी नजर आईं। टीजर से ही हिंट मिला है कि इसमें एक रहस्मयी जीव है जो सबको डराता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी के अलावा परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव भी हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में असरानी की भी झलक मिलेगी। पिछले साल इस दिग्गज अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कह दिया था।

'आदित्य धर को पहचान मिली' कंगना रनौत ने 'धुरंधर 2' की सफलता पर जताई खुशी

'धुरंधर 2' की प्रशंसा करने वालों में अब कंगना रनौत का भी नाम शामिल हो गया है। हालांकि, उन्होंने फिल्म के कलाकारों की नहीं बल्कि इस इंसान की जमकर की प्रशंसा। जानिए कौन है वो शख्स

आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर 2' रिलीज के बाद से ही लगातार चर्चाएं बटोर रही है। तमाम सेलेब्स रणवीर सिंह की इस फिल्म की तारीफ कर रहे हैं। अब अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी 'धुरंधर 2' की तारीफ की है। उन्होंने फिल्म के लिए सबसे ज्यादा श्रेय निर्देशक आदित्य धर को दिया है।

कोई नहीं बनना चाहता निर्देशक

कंगना ने भारत में निर्देशकों को मिलने वाली कम पहचान के बारे में बात करते हुए कहा कि मुझे कोई भी ऐसा युवा नहीं मिलता चाहे वह फिल्म इंडस्ट्री से हो या बाहर का, जो फिल्म निर्माता, सिनेमैटोग्राफर या कोई अन्य तकनीशियन बनने का सपना देखता हो।

हर कोई खुद को प्रतिभाशाली बताता है, लेकिन वे सिर्फ अभिनेता बनना चाहते हैं। यहां एक सुपरस्टार फिल्ममेकर हैं, जो किसी भी हीरो से ज्यादा चमक रहे हैं। आज इतने सारे युवा उनकी कहानी देख रहे हैं, जो उनके जैसा बनना चाहेंगे और फिल्म इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। आपको सलाम आदित्य धर।

बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही 'धुरंधर 2'

आदित्य धर द्वारा निर्देशित 'धुरंधर 2' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हो रही है। लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। शुरुआती दो दिनों में ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ये आंकड़े फिल्म के पेड प्रिव्यू की कमाई मिलाकर है।

आदित्य धर को फिल्म से मिली पहचान

कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए एक संदेश साझा किया। उन्होंने लिखा, 'धुरंधर की सफलता की सबसे अच्छी बात यह है कि सुपरस्टार निर्देशक आदित्य धर को पहचान मिली है। हॉलीवुड के सुपरस्टार निर्देशक हमेशा सुपरस्टार अभिनेताओं से कहीं ज्यादा बड़े होते हैं। उदाहरण के लिए: स्पीलबर्ग, टारनटिनो, नोलन। हम अपने फिल्म निर्माताओं को कभी भी उतना सम्मान या श्रेय नहीं देते जितना उन्हें मिलना चाहिए। उन पर काम का बोझ बहुत ज्यादा होता है, उन्हें कम वेतन मिलता है और सुपरस्टार्स उन्हें परेशान करते हैं।'

खास खबर

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा : चयन सूची पर 7 दिवस के भीतर दावा-आपत्ति प्रस्तुत करें

रायपुर। आबकारी आरक्षक पद हेतु छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा के अंतर्गत जारी मेरिट सूची के आधार पर विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन एवं शारीरिक मापदण्ड की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इसके उपरांत मुख्य सूची एवं अनुपूरक सूची जारी कर चयन परिणाम घोषित किया गया है। आबकारी विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार चयन परिणाम में अंक, टंकण, मापदण्ड या प्रक्रिया संबंधी किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने की स्थिति में व्यापम द्वारा उपलब्ध कराए गए मूल डाटा के आधार पर संशोधन किया जा सकेगा। यदि किसी अभ्यर्थी को जारी चयन परिणाम के संबंध में कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना हो, तो वे सूचना पत्र जारी होने की तिथि से 7 दिवस के भीतर कार्यालय आबकारी आयुक्त, छत्तीसगढ़, वाणिज्यिक कर भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर अथवा विभागीय ईमेल e&cise.comm .cg@gov.in पर आवश्यक दस्तावेजों सहित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

बाल मैत्री कार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी बच्चों को कराया गया स्कूल भ्रमण

कोंडागांव। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों एवं समीपस्थ प्राथमिक विद्यालयों में 'बाल मैत्री (बडी-बडी)' कार्यक्रम के तहत बच्चों को विद्यालयों का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी क्रम में कोंडागांव परियोजना अंतर्गत आंगनबाड़ी के बच्चों को नजदीकी प्राथमिक विद्यालयों में ले जाकर वहां के वातावरण से परिचित कराया गया। इस दौरान बच्चों के लिए विभिन्न खेल एवं शैक्षणिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि 4 से 6 वर्ष आयु वर्ग के आंगनबाड़ी बच्चों को आगामी शाला प्रवेश के लिए मानसिक रूप से तैयार करने तथा विद्यालय के प्रति उनके मन में सहजता और भयमुक्त वातावरण विकसित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

आंगनवाड़ी से स्कूल तक आसान कदम

सुकमा । जिले में नन्हे बच्चों के लिए स्कूल की पहली दहलीज अब और भी सहज और खुशहाल बन रही है। आंगनवाड़ी केंद्रों से पहली बार स्कूल जाने वाले बच्चों के सुगम संक्रमण को ध्यान में रखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभिनव पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को स्कूल के माहौल से परिचित कराना और उनके भीतर आत्मविश्वास विकसित करना है, ताकि वे बिना किसी डर या झिझक के अपनी शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत कर सकें। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को स्कूल का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने कक्षाओं, शिक्षकों और अन्य विद्यार्थियों से मुलाकात की। खेल-कूद, संवाद और रोचक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया।

धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 के पारित होने से धर्मांतरण पर लगेगी रोक, अवैध धर्मांतरण के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में विधायक पुरंदर मिश्र के नेतृत्व में विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने सौजन्य मुलाकात की और बजट सत्र में धर्म स्वातंत्र्य, छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल एवं छत्तीसगढ़ (लोक भर्ती एवं व्यावसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक 2026 के पारित होने पर उनका सम्मान कर आभार जताया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026,छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल विधेयक 2026 एवं छत्तीसगढ़ (लोक भर्ती एवं व्यावसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक 2026 का विधानसभा में पारित होना पूरे प्रदेशवासियों के लिए वरदान साबित होगा। इनमें धर्म स्वातंत्र्य विधेयक हमारी महान परंपराओं और मूल्यों को सुरक्षित रखने का एक स्पष्ट संकल्प है। इसी तरह अन्य दो विधेयक भी पारदर्शिता के साथ भर्ती के लिए अहम साबित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में सनातन धर्मावलंबी लंबे समय से धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग कर रहे थे। इस मांग के अनुरूप हमने छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 पारित किया है। उन्होंने कहा कि पहले भी इस संबंध में कानून बना था पर यह कानून उतना प्रभावी नहीं था, जिस कारण अवैध धर्मांतरण कराने वाले लोग बच जाते थे। प्रदेश में धर्मांतरण के कारण कुछ क्षेत्रों में सामाजिक तानाबाना भी बिगड़ रहा था, जिससे प्रदेश की छवि धूमिल हो रही थी। इस बिल के माध्यम से अवैध धर्मांतरण पर अंकुश लगाया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने धर्म स्वातंत्र्य विधेयक को पारित कर पूर्व राज्यसभा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय जूदेव जी को श्रद्धांजलि अर्पित की है, जिन्होंने धर्मांतरण के खिलाफ प्रखर मुहिम छेड़ कर घर वापसी अभियान चलाया था।

इसी तरह हमारी सरकार की पहल पर प्रदेश के लाखों युवाओं की आवाज को सुनते हुए सरल एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया हेतु छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल विधेयक पारित किया गया है। इसी तरह परीक्षाओं में गड़बड़ियों को रोकने एवं नकल जैसे प्रकरणों पर अंकुश लगाने छत्तीसगढ़ (लोक भर्ती एवं व्यावसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक 2026 पारित किया गया है। यह दोनों सर्वसम्मति से पारित किया गया। मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर सभी प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्र पर्व की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्र ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

इस अवसर पर प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, अखिलेश सोनी, रमेश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जीएसटी की सख्ती पर व्यापारियों ने किया विरोध-चैंबर ने सौंपा ज्ञापन

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। शहर के व्यापारिक वर्ग में इन दिनों जीएसटी विभाग की कार्यवाही को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज कोरबा के पदाधिकारियों ने जीएसटी अधिकारियों से मुलाकात कर व्यापारियों की समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा और बैंक खातों को अटैच करने की प्रक्रिया पर गंभीर आपत्ति जताई।

चैंबर अध्यक्ष योगेश जैन, महामंत्री नरेन्द्र अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर.पी. तिवारी एवं संरक्षक रामसिंह अग्रवाल ने संयुक्त रूप से अधिकारियों से चर्चा करते हुए बताया कि पिछले एक माह से लगातार व्यापारियों के बैंक खातों को अटैच किया जा रहा है, जिससे व्यापारिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। चैंबर पदाधिकारियों ने कहा कि कई मामलों में व्यापारी अपील की प्रक्रिया में हैं, इसके बावजूद उनके बैंक खाते रिलीज नहीं किए जा रहे हैं, जो कि व्यापारियों के साथ अन्यायपूर्ण स्थिति पैदा कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि व्यापारियों के हितों की अनदेखी जारी रही तो चेम्बर आंदोलन या घेराव जैसे कदम उठाने से भी पीछे नहीं हटेगा।

इस दौरान असिस्टेंट कमिश्नर अनिमोह बांसवार एवं जीएसटी अधिकारी प्रभाकर उपाध्याय से विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2017-18 से 2023-24 तक जिन व्यापारियों के टैक्स भुगतान लंबित हैं, उन्हीं के बैंक खातों को नियमों के तहत अटैच किया जा रहा है। महामंत्री नरेन्द्र अग्रवाल ने यह मुद्दा भी उठाया कि कुछ व्यापारियों के केवल एक तिमाही रिटर्न न भरने पर भी खाते अटैच किए जा रहे हैं। इस पर अधिकारियों ने जांच के बाद माना कि ऐसे कुछ मामले सामने आए हैं और आश्वासन दिया कि तिमाही रिटर्न के मामलों में बैंक खाते अटैच नहीं किए जाएंगे।

तकनीकी शिक्षा से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। जिला मुख्यालय में 15 अप्रैल 2023 को प्रारंभ हुआ नवगुरुकुल संस्थान आज युवाओं, विशेषकर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए आशा और अवसर का केंद्र बनकर उभर रहा है। संस्थान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं को बिना किसी आर्थिक बोझ के आधुनिक तकनीकी शिक्षा प्रदान कर उन्हें रोजगारोन्मुख बनाना है।

जशपुर जैसे अंचल में लंबे समय से गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा और संसाधनों की कमी रही है, जिसके कारण प्रतिभाशाली युवा उचित मार्गदर्शन के अभाव में पीछे रह जाते थे। नवगुरुकुल इस कमी को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है। जशपुर स्थित नवगुरुकुल कैंपस विशेष रूप से बालिकाओं के लिए संचालित है, जहां उन्हें सुरक्षित वातावरण में समान अवसरों के साथ सीखने की सुविधा प्रदान की जाती है। संस्थान का उद्देश्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज में सकारात्मक परिवर्तन का भागीदार बनाना भी है। वर्तमान में यहां दो प्रमुख पाठ्यक्रम संचालित हैं—स्कूल ऑफ प्रोग्रामिंग और स्कूल ऑफ बिजनेस। स्कूल ऑफ प्रोग्रामिंग की अवधि लगभग दो वर्ष है, जिसमें विद्यार्थियों को प्रोग्रामिंग, वेब डेवलपमेंट सहित विभिन्न तकनीकी कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाता है। वहीं, स्कूल ऑफ बिजनेस एक वर्षीय पाठ्यक्रम है, जिसमें संचार, टीमवर्क और व्यवसायिक दक्षताओं का विकास कराया जाता है। नवगुरुकुल में शिक्षा का स्वरूप व्यावहारिक और नवाचार आधारित है। यहां करके सीखना पद्धति को अपनाया गया है, जिसके अंतर्गत विद्यार्थी वास्तविक परियोजनाओं पर कार्य करते हुए अनुभव प्राप्त करते हैं। सहपाठी शिक्षण, समूह आधारित समस्या समाधान और परियोजना आधारित अध्ययन को विशेष महत्व दिया जाता है, जिससे विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता के साथ-साथ नेतृत्व, सहयोग और संवाद कौशल का भी विकास होता है। संस्थान में एटीक्रेसी प्रणाली लागू है, जिसके तहत छात्र स्वयं विभिन्न जिम्मेदारियां निभाते हैं, जैसे अकादमिक और अनुशासन समन्वयक, जिससे उनमें नेतृत्व क्षमता और उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है। कैंपस में छात्रों के लिए लैपटॉप, हॉस्टल, नि:शुल्क वाई-फाई तथा अनुकूल शिक्षण वातावरण जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

तनावमुक्त पुलिस की ओर कदम, कांकेर में योग शिविर शुरू

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने वाले पुलिसकर्मियों के तनाव को कम करने और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए कांकेर पुलिस ने एक सराहनीय पहल की है। रक्षित केंद्र में शुरू हुआ योग प्रशिक्षण शिविर न केवल पुलिस बल बल्कि उनके परिवारों के लिए भी स्वास्थ्य और संतुलन का नया रास्ता खोल रहा है।

पुलिस लाइन सिंगरभाट स्थित रक्षित केंद्र में आयोजित इस योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को मानसिक रूप से मजबूत, तनावमुक्त और शारीरिक रूप से फिट बनाना है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन में आयोजित इस पहल को पुलिस बल के भीतर सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्राणायाम, ध्यान और विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया जा रहा है। साथ ही आर्ट ऑफ लिविंग की तकनीकों के माध्यम से मानसिक तनाव, अवसाद और दैनिक जीवन की चुनौतियों से निपटने के प्रभावी उपाय भी सिखाए जा रहे हैं। योग प्रशिक्षक भोजराज सिन्हा और रिया सिन्हा ने प्रतिभागियों को सरल और व्यवहारिक तरीके से स्वास्थ्य सुधार की जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारजनों सहित करीब 162 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उप पुलिस अधीक्षक विकेश्वरी पिन्दे, कविता धुर्वे और रक्षित निरीक्षक गोविन्द वर्मा की मौजूदगी ने कार्यक्रम को और अधिक प्रेरणादायक बना दिया।

कांकेर पुलिस का मानना है कि इस तरह के प्रयासों से न केवल पुलिस बल का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि उनकी कार्यक्षमता में भी सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा। तनावमुक्त और स्वस्थ पुलिसकर्मी ही बेहतर तरीके से समाज की सेवा कर सकते हैं। यह पहल इस बात का संकेत है कि अब पुलिसिंग केवल कानून तक सीमित नहीं रही, बल्कि मानव संसाधन के समग्र विकास की ओर भी कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

मेगा सुपरस्पेशलिटी हेल्थ कैंप का आयोजन सुकमा में

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा। नक्सल प्रभावित और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को दूर करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन सुकमा द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए 28 एवं 29 मार्च को मिनी स्टेडियम, सुकमा में मेगा सुपरस्पेशलिटी हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है।

यह शिविर प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से प्रारंभ होगा। जिला प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित इस दो दिवसीय शिविर में देश के सुप्रसिद्ध अस्पतालों के अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम भाग लेगी। इस दौरान ग्रामीणों एवं शहरवासियों को एक ही स्थान पर विभिन्न गंभीर बीमारियों के विशेषज्ञों से परामर्श एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। इस स्वास्थ्य शिविर में हृदय रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, पेट संबंधी रोग, किडनी रोग, कैंसर, बाल रोग तथा श्वास संबंधी रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। विशेष बात यह है कि इस पूरे आयोजन में स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श और दवाओं का वितरण पूरी तरह नि:शुल्क किया जाएगा।जिला प्रशासन का यह प्रयास उन लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा, जो दूरस्थ क्षेत्रों में रहने के कारण बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। शिविर के माध्यम से न केवल रोगों की समय पर पहचान होगी, बल्कि गंभीर बीमारियों के लिए आगे की उपचार प्रक्रिया भी सुनिश्चित की जाएगी।

जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन सुकमा ने अधिक से अधिक लोगों से इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। यह पहल क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और आम नागरिकों को बेहतर जीवन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने की भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण की मैराथन समीक्षा

ठेकेदारों को निर्माण कार्य पूरा करने मिला 1 साल का टाइमलाइन, निगरानी के लिए गठित हुई जिला स्तरीय समिति

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भोरमदेव मंदिर परिसर में भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण से जुड़े विभागों और ठेकेदारों की मैराथन समीक्षा बैठक ली। उन्होंने प्रोजेक्ट में मुख्य मंदिर परिसर का उन्नयन, सरोवर का सौंदर्यीकरण, मड़वा, महल, छेरकी महल, रामचुवा, सरोदा, पार्किंग में अब तक हुए कार्यों की प्रगति की गहनता से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता और समय सीमा पर पूर्णता इन दो पैमानों पर सभी कामों की मॉनिटरिंग होगी।

इसके लिए जिला स्तर पर निगरानी समिति गठित की गई है। उन्होंने सभी ठेकेदारों से कहा कि 15-15 दिन में किए जाने वाले कार्यों की टाइमलाइन दें। निगरानी समिति को हर सोमवार कार्यस्थल का मुआयना कर प्रगति की समीक्षा के निर्देश दिए। इस दौरान निर्माण कार्य में लगे सभी प्रोजेक्ट इंचार्ज और

इंजीनियर्स को अनिवार्य रूप से मौजूद रहने के लिए कहा। काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही होने पर कड़ी कार्रवाई की बात कही।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने समीक्षा के दौरान कहा कि मुख्य मंदिर परिसर में पेड़ों के इर्द गिर्द यहां दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बैठने के लिए चबूतरे बनवाने के लिए कहा। मंदिर परिसर में जो भी प्रवेश द्वार और खंभे बनने का रहे हैं उनमें फ्मी नागवंशी स्थापत्य की झलक दिखे, ऐसी संरचनाएं बनाई जाएं, लकड़ी के दरवाजों में इसी प्रकार की नक्काशी हो। मुख्य प्रवेश द्वार सहित सभी द्वार भव्य रूप से बनाए जाएं।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि सरोवर स्थल में पिचिंग और लाइनिंग का काम तकनीकी उत्कृष्टता के साथ किया जाए। उन्होंने सरोवर तट पर सीढ़ियां तथा उसके ऊपर शेड का निर्माण व्यवस्थित रूप से करने के लिए कहा ताकि श्रद्धालु वहां आराम से बैठ सकें। सरोवर के किनारे लगने वाले स्ट्रीट लाइट के पोल भी आकर्षक रूप से तैयार करवाए जाएं जो पूरे मार्ग को भव्यता प्रदान करे।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने मंदिर परिसर में बनने वाले विश्राम स्थल में दरवाजे खिड़की इस प्रकार से लगाए जाएं जो पूरे भवन को भव्यता के साथ पर्याप्त हवा और रोशनी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में लगने वाली कलाकृतियों में स्थानीयता और लोक संस्कृति की छाप दिखनी चहिए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पार्किंग स्थल पर वाहनों के लिए पर्याप्त स्थान के साथ मजबूत फ्लोरिंग तैयार करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पार्किंग में करीब बनने वाले दुकानों को इस प्रकार से बनाया जाए जिससे पार्किंग स्थल पर वाहनों का प्रवेश और निकासी व्यवस्थित और सुचारु रूप से संचालित हो। उन्होंने पूरे कॉरिडोर में पेयजल, शौचालय जैसे जनसुविधाओं का विशेष रूप से ध्यान रखने के निर्देश दिए।

मड़वा महल में प्रवेश द्वार, बाउंड्री वाल, कलाकृतियों की स्थापना, पर्यटकों की बैठक व्यवस्था का निर्माण पूरी गुणवत्ता के साथ करने के लिए निर्देशित किया। इसी प्रकार छेरकी महल, रामचुवा में होने वाले निर्माण और उन्नयन कार्यों की प्रगति के बारे में संबंधित ठेकेदार से जानकारी ली गई।सरोदा डैम में कैफेटेरिया, डैम तक सीढ़ियों और व्यू प्वाइंट का निर्माण, सौंदर्यीकरण जैसे कार्यों को लेकर कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, एमडी पर्यटन विवेक आचार्य, कलेक्टर गोपाल वर्मा, नितेश अग्रवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशीराम धुर्वे, जिला पंचायत सदस्य रामकुमार मेरावी, राम किंकर वर्मा, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष बोड़ला नन्द श्रीवास, लोकचंद साहू, आदित्य श्रीवास्तव, दुर्गेश दुबे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा देने वाली योजना अब तक लागू नहीं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई ने आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि शासन द्वारा 80 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को एक सहायक के साथ राज्य के भीतर बस यात्रा में निशुल्क सुविधा प्रदान करने का आदेश जारी किया गया था।

लेकिन विगत चार वर्षों से यह योजना धरातल पर लागू नहीं हो पाई है। यदि यह योजना लागू हो जाए तो न सिर्फ़ 80 साल से अधिक आयु के पेंशनरों को, बल्कि इस उम्र के या इससे अधिक उम्र के सभी वरिष्ठजनों को जीवन के अंतिम पड़ाव में कुछ आर्थिक राहत देने वाली इसका लाभ मिल सकता है।

लेकिन प्रचार-प्रसार के अभाव और विभागीय उदासीनता के चलते यह महत्वपूर्ण जन-हितकारी योजना निष्प्रभावी बनी हुई है। महासंघ के प्रान्ताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि विशेष रूप से सरगुजा संभाग और बस्तर संभाग जैसे दूरस्थ और ट्रेन सुविधा विहीन क्षेत्रों में इस योजना का सर्वाधिक लाभ मिलना चाहिए था,क्योंकि इन इलाकों में आवागमन का मुख्य साधन बस ही है। श्री नामदेव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और परिवहन मंत्री केदार कश्यप स्वयं इन्हीं क्षेत्रों से विधायक हैं, इसके बावजूद इन इलाकों में भी योजना का क्रियान्वयन नहीं हो सका है । कहा है कि ऐसा लगता है कि परिवहन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी जानबूझकर इस आदेश को लागू करने में रुचि नहीं ले रहे हैं। इस संबंध में महासंघ के प्रान्ताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने प्रेस विज्ञप्ति में आगे बताया कि राज्य सरकार के परिवहन विभाग ने 30 सितंबर 2021 को एक आदेश जारी किया था ।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

2 बदमाशों ने व्यापारी से 37 हजार कैश लूटे

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में लूट की वारदात सामने आई है। 2 बदमाशों ने चाय-नाश्ता ठेला चलाने वाले व्यवसायी के साथ मारपीट कर 37 हजार रुपए लूट लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामला कापू थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक पत्थलागांव खुर्द निवासी इतेन्द्र गुप्ता ने कापू थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि वह चाय-नाश्ता का ठेला चलाता है। 19 मार्च को वह अपने छोटा हाथी वाहन से महुआ लेकर कापू से जमरगाबाजार जा रहा था। दोपहर करीब 1 बजे मड़वाताल पहाड़ के नीचे मंदिर के पास पहुंचते ही बाइक सवार दो अज्ञात युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने डंडे से मारपीट की। मारपीट के बाद बदमाश उसके बैग में रखे 37 हजार रुपए नकद लूटकर धरमजयगढ़ की दिशा में फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने मामले में धारा 309(6) 324(4) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पानी फैक्ट्रियों में मिली गंदगी, सील की कार्रवाई

कोरबा। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने बिना लाइसेंस संचालित पीयूष डिस्ट्रीब्यूटर पेप्सिको कंपनी को सील कर दिया। इसके अलावा, दो पानी फैक्ट्रियों से पानी के सैंपल भी जांच के लिए लिया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी की टीम ने दादर एरिया स्थित सुनीता बेवरेजेस और रजगामार रोड स्थित ममता इंडस्ट्रीज की पानी फैक्ट्रियों का भी निरीक्षण किया। इन फैक्ट्रियों के लाइसेंस सही पाए गए। हालांकि, टीम ने दोनों जगहों से तैयार पानी के नमूने जांच के लिए इकट्ठे किए। इन नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि पानी की गुणवत्ता और पैकेजिंग मानक के अनुरूप है या नहीं। शहर के डिगापुर वार्ड नंबर 36 स्थित पीयूष डिस्ट्रीब्यूटर पेप्सिको कंपनी की फैक्ट्री में भी जांच की गई। यहां टीम ने स्लाइस फ्रूट जूस और ट्रॉपिकाना अमरूद जूस के सैंपल लिए। जांच के दौरान डिस्ट्रीब्यूटर के पास वैध लाइसेंस नहीं पाया गया। लाइसेंस नहीं होने के कारण फर्म को नियमानुसार सील कर दिया गया। बताया गया कि जिस स्थान पर यह फैक्ट्री संचालित हो रही थी, उसका लाइसेंस नहीं था। सील की गई फैक्ट्री से पेप्सी और फ्रूट जूस के नमूने भी लिए गए हैं, जिनकी जांच से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उत्पाद मानकों के अनुरूप हैं या नहीं।

खिलौने के बॉक्स में नशा गुढ़ियारी में दो तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के बीच गुढ़ियारी पुलिस ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। कलिंग नगर स्थित सीएसईबी मैदान के पास दो युवकों को उस वक्त रंगे हाथ पकड़ा गया, जब वे खिलौने के बॉक्स में छिपाकर प्रतिबंधित नशीली गोलियां बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने मौके से 676 नग निट्राजपैम टेबलेट, एक बटनदार चाकू और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति दोपहिया वाहन पर सवार होकर इलाके में नशीली दवाओं की सप्लाई के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गुढ़ियारी थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की और संदिग्धों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान सिद्धू बाघ (30) और रोहित कुमार (25) निवासी रायपुर के रूप में बताई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक एक्ट की धारा 22बी और आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। अब पुलिस फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक के आधार पर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

रायपुर में हेरोइन तस्कर गिरोह का भंडाफोड़

चार आरोपी गिरफ्तार, पंजाब से पाकिस्तान तक कनेक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल की है। राजधानी रायपुर के थाना कबीर नगर, आमानाका और साइबर की संयुक्त पुलिस टीम ने पंजाब में घेराबंदी कर अंतरराज्यीय हेरोइन तस्करी के सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में चार मुख्य आरोपियों को हेरोइन (चिट्टा), अवैध शस्त्र और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। चारो आरोपी रायपुर के विभिन्न थानों में दर्ज केस में फरार चल रहे थे।

पुलिस जांच में पता चला कि रायपुर में हेरोइन की सप्लाई का मुख्य सोर्स और मुख्य सरगना पंजाब से है। सभी प्रमुख सप्लायर पंजाब से माल लाकर रायपुर और आस-पास के क्षेत्र में सप्लाई करते थे। पुलिस रायपुर में हेरोइन पकड़े जाने के हर मामले में तकनीकी साक्ष्य, लोकल सप्लायर से लेकर अंतरराज्यीय वाहक और वाहन से लेकर पंजाब स्थित मूल सप्लायर तक की जांच पड़ताल कर चारों मुख्य आरोपियों के गृह प्रांत पंजाब में जाकर धर दबोचा। इस मामले में पुलिस ने कमलजीत सिंग पन्नू- तरण-तारण पंजाब , तरसेम सिंग उर्फ साजन- मोगा पंजाब , विक्की सिंग- मोगा पंजाब व जनक राज- फिरोजपुर पंजाब को गिरफ्तार किया है।

पाकिस्तान तक फैला नेटवर्क

पुलिस जांच में पता चला कि पूर्व में गिरफ्तार रुपिंदर उर्फ पाब्लो गैंग के कमलजीत सिंह पन्नू इस गिरोह की कड़ी में वन टियर यानी अव्वल दर्जे का सप्लायर था। वह पाकिस्तान से सटे पंजाब की सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय तस्करी नेटवर्क से सीधे हेरोइन की खरीदी करता था। रुपिंदर जैसे सप्लायर को हेरोइन उपलब्ध कराता था, जो रायपुर समेत दूर के शहरों में हेरोइन सप्लाई करते थे। पहले सप्लायर कमलजीत सिंह पन्नू की आपराधिक पृष्ठभूमि काफी गंभीर है।

कुरियर से हेरोइन की तस्करी

दूसरे और तीसरे आरोपी तरसेम सिंग उर्फ साजन और विक्की सिंह कुरियर से हेरोइन की तस्करी करते थे। दोनों आरोपी खुद हेरोइन लेकर नहीं चलते थे बल्कि पंजाब से रायपुर तक हेरोइन की सप्लाई कुरियर से करते थे। हेरोइन को सामान्य पार्सल में इस प्रकार से छिपाया जाता था कि कि वह पहली नजर में पकड़ में न आ सके। आरोपी खुद को ट्रांसपोर्ट से अलग रखते थे, जिससे की पकड़ में न आ सके। रायपुर में लोकल वितरक पार्सल लेकर उपभोक्ताओं तक पहुंचाते थे। चौथा आरोपी जनकराज मालवाहक और ट्रक चालकों के माध्यम से हेरोइन की तस्करी करता था। वह हीरोइन की आपूर्ति के लिए उन ट्रक चालकों का उपयोग करता था जो नियमित रुप से पंजाब से छत्तीसगढ़ माल की ढुलाई करने के लिये आते-जाते थे।

खनिज के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई

बिलासपुर में माइनिंग विभाग ने पांच क्षेत्रों में की अचानक जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में माइनिंग विभाग ने खनिजों के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने 5 हाइवा और 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित कुल 8 वाहन जब्त किए।

यह कार्रवाई कलेक्टर के निर्देश और उप संचालक के मार्गदर्शन में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। विभाग की टीम ने जिले के निरतु, सेंदरी, तुरकाडीह, लोखंडी, कोनी, बिरकोना और सरकंडा क्षेत्रों में अचानक निरीक्षण किया।

जांच के दौरान, सरकंडा क्षेत्र से गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए 2 हाइवा और रेत का अवैध परिवहन करते 1 हाइवा जब्त किया गया।

निरतु और तुरकाडीह से एक-एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गई। लोखंडी क्षेत्र से 1 हाइवा और 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली को अवैध परिवहन करते पकड़ा गया।

अशोक नगर क्षेत्र से मुरुम का अवैध परिवहन करते हुए 1 हाइवा वाहन भी जब्त किया गया।

कुल 5 हाइवा और 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित सभी 8 जब्त वाहनों को पुलिस थाना सरकंडा और कोनी की हिरासत में रखा गया है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ यह कार्रवाई जारी रहेगी।

रैपिडो चालक ने मकान मालकिन से ठगे 2 लाख शेयर मार्केट में पैसा डबल करने का झांसा देकर फरार हुआ

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में एक रैपिडो चालक ने अपनी मकान मालकिन से शेयर मार्केट में पैसा दोगुना करने का झांसा देकर 2 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। आरोपी किराए के मकान से फरार हो गया था।

आरोपी रैपिडो चालक है इस लिए आसानी से लोकेशन बदल रहा था। जिसके कारण पुलिस को उसे पकड़ने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। तारबाहर पुलिस ने उसे रायपुर से गिरफ्तार कर लिया।

जानिए आरोपी ने कैसे दिया झांसा

तारबाहर निवासी अंजना फ्रांसिस ने शिवानंद नगर, रायपुर के गोविंद कुमार (32) को अपना मकान किराए पर दिया था। गोविंद रैपिडो चालक है। उसने मकान मालकिन अंजना को शेयर मार्केट में निवेश पर दोगुना मुनाफा दिलाने का भरोसा दिलाया।

गोविंद ने अंजना से चार किस्तों में कुल 2 लाख रुपये लिए। पैसे लेने के बाद वह रात में घर छोड़कर फरार हो गया। अंजना की शिकायत पर तारबाहर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

रायपुर से हुआ आरोपी गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने टीम बना कर खोजबीन की और सूचना मिली कि आरोपी रायपुर में है। एक टीम रायपुर भेजी गई, जिसने गोविंद कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

रायपुर में मिली युवक की गड़ी हुई लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के 2 अलग-अलग इलाकों में एक लाश और एक नर कंकाल मिला है। अभनपुर के भरेंगाभाटा गांव में जमीन पर गड़ी हुई लाश मिली। जमीन के बाहर हाथ-पैर निकले हुए थे, लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी।

शव की पहचान शदाणी दरबार के रहने वाले नितेश बत्रा के रुप में हुई है। पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है, बताया जा रहा है किसी ने युवक को मारकर गाढ़ा है।

दूसरे मामले में उरला इलाके के मेटल पार्क में 1 महीने पुराना नर कंकाल मिला है। दोनों मामले में पुलिस ने शव और कंकाल बरामद कर लिया है। दोनों ही मामलों की जांच की जा रही है।

21 मार्च को अभनपुर के भरेंगाभाटा गांव के ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी कि सूनसान इलाके में जमीन में दफन एक लाश मिली है। शव का एक हाथ और एक पैर जमीन के बाहर दिखाई दे रहा था।

पुलिस ने खुदाई कराकर शव को बाहर निकलवाया। उसकी पहचान हाथ में बने टैटू से हुई। पुलिस के मुताबिक, लाश नितेश बत्रा की है जो रायपुर के शदाणी दरबार का रहने वाला है। मामला अभनपुर थाना क्षेत्र का है।

शव की हालत देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसे कुछ दिन पहले हत्या कर उसे जमीन में गाड़ दिया गया है। हालांकि इस मामले में अभी जांच जारी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

केस 2 - एक महीने पुराना नर कंकाल मिला

रायपुर के औद्योगिक क्षेत्र उरला में 21 मार्च को मेटल पार्क इलाके में एक नरकंकाल मिला है। शुरुआती जांच और कपड़ों के आधार पर मृतक की पहचान दिलीप (उम्र 45-50 वर्ष) के रूप में की गई है। उरला पुलिस, क्राइम ब्रांच और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

पुलिस के अनुसार, दिलीप पिछले एक महीने से लापता था और उसके परिजनों ने उरला थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अब इतने दिनों बाद उसका कंकाल मिला है।

पुलिस ने शुरू की जांच हत्या की आशंका

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया है। चूंकि शव पूरी तरह से गल चुका है और केवल हड्डियां शेष हैं, इसलिए पुलिस इसे हत्या से जोड़कर भी देख रही है।

आशंका जताई जा रही है कि अज्ञात आरोपियों ने दिलीप की हत्या कर शव को सुनसान इलाके में फेंक दिया होगा, ताकि सबूत मिटाए जा सकें। टीम इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

उरला थाना प्रभारी के मुताबिक, रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। फिलहाल मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

60 किलो गौ मांस के साथ ओडिशा का तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। जशपुर जिले की कोतबा चौकी पुलिस ने गौ मांस की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ओडिशा से अल्टो कार में 60 किलो गौ मांस भरकर छत्तीसगढ़ के लैलूंगा ले जा रहा था, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया।

20 मार्च की शाम मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा के ग्राम बनडेगा से एक व्यक्ति संदिग्ध वाहन में गौवंश का मांस लेकर कोतबा के रास्ते लैलूंगा की ओर निकल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने नाकाबंदी कर जांच तेज कर दी। रात करीब 9:30 बजे पुलिस ने एक संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली, जिसमें अलग-अलग पैकेटों में भरा कुल 60 किलो मांस बरामद हुआ। मामले में पुलिस ने आरोपी जीसान हुसैन (24 वर्ष), निवासी ग्राम बनडेगा (ओडिशा) को गिरफ्तार किया है। पशु चिकित्सक द्वारा परीक्षण किए जाने पर बरामद मांस के गौवंश होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर तस्करी में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया है।

इंद्रावती में अवैध रेत खनन, खनिज विभाग ने 300 घनमीटर रेत जब्त की

बीजापुर। बीजापुर जिले के भोपालपटनम क्षेत्र में इंद्रावती नदी में हो रहे अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। संयुक्त टीम द्वारा की गई छापामार कार्रवाई में लगभग 300 घनमीटर अवैध रेत जब्त की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशासन को शिकायत मिली थी कि नदी में पोकलेन मशीन के माध्यम से अवैध उत्खनन किया जा रहा है और रातों-रात हाईवा वाहनों के जरिए ग्राम वरदली में रेत का भंडारण किया जा रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए 16 मार्च को भोपालपटनम एसडीएम एवं जिला खनि अधिकारी के नेतृत्व में राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम वरदली में जांच अभियान चलाया।

जांच के दौरान ठेकेदार शेख हुसैन पिता शेख जानसहिदा निवासी गुंटूर आंध्रप्रदेश द्वारा अवैध रूप से लगभग 300 घनमीटर रेत का भंडारण किया जाना पाया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं भंडारण पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

घरेलू सिलेंडर का अवैध भंडारण, कारोबारी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेंडरों का भंडारण करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। खमतराई थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश दी और आरोपी के कब्जे से 16 इंडियन गैस सिलेंडर बरामद किए।

इनकी बाजार कीमत करीब 64,000 रुपये बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी का नाम संजय साव है, जो पेशे से किराना कारोबारी है।

बंजारी मंदिर के पास अवैध गैस सिलेंडर स्टॉक

खमतराई पुलिस के अधिकारियों को सूचना मिली थी कि बंजारी मंदिर के पास एक व्यक्ति भारी मात्रा में अवैध रूप से गैस सिलेंडरों का भंडारण कर ऊंचे दामों पर बेचने की फिराक में है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर खमतराई पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर बताए गए स्थान पर घेराबंदी की।

वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका आरोपी

वहां आरोपी संजय साव (30 वर्ष) को गैस सिलेंडरों के साथ पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान जब पुलिस ने सिलेंडरों के भंडारण और बिक्री से संबंधित दस्तावेज मांगे, तो वह कोई भी कागजात पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने सभी 16 गैस सिलेंडरों को जब्त कर लिया। आरोपी रावाभाठा स्थित ट्रांसपोर्ट नगर की पार्किंग नंबर 1 में संतोष किराना स्टोर का संचालन करता है।

खाद्य विभाग को दी जाएगी सूचना

खमतराई पुलिस के अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) मयंक गुर्जर के निर्देशानुसार की गई। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आकाश मरकाम और सहायक पुलिस आयुक्त पूर्णिमा लामा के नेतृत्व में नॉर्थ जोन के थाना प्रभारियों को अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अब इस मामले में खाद्य विभाग को पत्राचार कर आगे की कार्रवाई के लिए अवगत कराएगी।

स्कूटी पर शराब की सप्लाई, आरोपी रंगे हाथ गिरफ्तार

कांकेर। कांकेर शहर की सड़कों पर एक शख्स स्कूटी को चलते-फिरते 'शराब की दुकान' बना चुका था। कॉलोनियों में घूम-घूमकर अवैध शराब बेचने का यह खेल लंबे समय से चल रहा था, लेकिन पुलिस की सतर्क निगरानी ने आखिरकार इस धंधे पर ब्रेक लगा दिया। घेराबंदी कर आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया गया और मौके से शराब, नगदी व वाहन जब्त कर लिया गया। पुलिस ने संदिग्ध को रोककर पूछताछ की, जिसमें उसने अपना नाम राजकुमार रवानी, उम्र 50 वर्ष, निवासी अन्नापूर्णापारा कांकेर बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 16 पौवा देशी शेरा और प्लेन शराब, कुल 2.880 लीटर बरामद की गई, जिसकी कीमत लगभग 1400 रुपये आंकी गई।

खास खबर

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत दलहन तिलहन की खरीदी प्रारंभ

बालोद। राज्य शासन के मंशानुरूप एवं कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में गुरूर विकासखण्ड के सेवा सहकारी समिति मर्यादित सनौद में प्रधान मंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पी.एम.आशा) के तहत रबी विपणन वर्ष 2026-27 में प्राईस सपोर्ट स्कीन अंतर्गत समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों की खरीदी प्रारंभ की गई। योजनांतर्गत खरीदी का शुभारंभ विभागीय अधिकारियों एवं क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों के साथ-साथ कृषकों की उपस्थिति में किया गया। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि सेवा सहकारी समिति सनौद में शुभारंभ के दिन 08 कृषकों द्वारा कुल 140 क्विंटल चना का विक्रय किया गया। जिसमें गणेश राम साहू पलारी ने 07 क्विंटल, रेखराम साहू पलारी ने 27 क्विंटल, उग्रसेन सिन्हा भिरई ने 14.50 क्विंटल, टेकराम साहू पलारी ने 15.50 क्विंटल प्रीतम साहू पलारी ने 18 क्विंटल, कांती साहू पलारी ने 15 क्विंटल खम्हन साहू, पलारी 26 क्विंटल, टम्पेश्वर साहू बोहारा ने 17 क्विंटल विक्रय किया।

धीवर समाज के लोग पहुंचे लव-कुश की जन्म स्थली

धमतरी। धीवर समाज में चैत्र नवरात्र महोत्सव की धूम है। दानीटोला स्थित मां शीतला मंदिर में रोजाना विविध हा कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। इस बीच शनिवार को धीवर समाज के करीब 200 महिला, पुरुष और बच्चे चार बसो में सवार होकर लव-कुश की जन्मस्थली तुरतुरिया की धार्मिक तीर्थयात्रा के लिए रवाना हुए। धीवर समाज के प्रतिनिधियों को तुरतुरिया मंदिर तीर्थयात्रा के लिए धर्म ध्वजा दिखाकर रवाना किया। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि धीवर समाज आपसी सद्भावना की मिसाल है। समाजजन हर साल नवरात्र के मौके पर सामूहिक रूप से तीर्थयात्रा करते हैं और समाज की खुशहाली के लिए कामना करते हैं। धीवर समाज के अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद जगबेड़ा, संरक्षक परमेश्वर फुटान, उपस्थित थे।

चिरायु योजना से बागबाहरा की काव्या और गुनीत को मिला नया जीवन; नारायणा में हुई हृदय की सर्जरी

श्रीकंचनपथ समाचार

महासमुंद। जिले में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित चिरायु योजना जिले के दो मासूम बच्चों के लिए जीवनदायिनी साबित हुई है। बागबाहरा विकासखंड के दो छोटे बच्चे काव्या यादव उम्र 2 वर्ष और गुनीत बघेल उम्र 4 वर्ष को जन्मजात हृदय रोग से मुक्ति मिल गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव के निर्देशन में टीम आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कर रही है। आंगनबाड़ी भ्रमण के दौरान डॉ. सुजाता शुक्ला, डॉ. विकास चौहान और लैब तकनीशियन चन्द्रकला साहू ने दोनों बच्चों की जांच की थी। परीक्षण के दौरान बच्चों में असामान्य श्वसन दर, अत्यधिक थकान और कमजोरी जैसे लक्षण पाए गए, जिससे हृदय रोग की आशंका हुई।

चिरायु टीम ने दोनों बच्चों को रायपुर स्थित नारायणा एमएमआई हॉस्पिटल रेफर किया। वहां कार्डियोलॉजी विशेषज्ञों द्वारा सर्जरी की आवश्यकता बताई गई। नियत समय पर विशेषज्ञों की टीम द्वारा दोनों बच्चों का सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद कुछ दिनों तक चिकित्सकीय निगरानी में रखने के उपरांत अब दोनों बच्चे पूर्णत: स्वस्थ हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। बच्चों के स्वस्थ होने से उनके परिवारों में खुशी का माहौल है। परिजनों ने इस कठिन समय में शासन की चिरायु योजना और स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों के गंभीर रोगों की पहचान से लेकर जांच, दवाइयां, शल्य क्रिया एवं अस्पताल में भर्ती तक का पूरा खर्च शासन द्वारा वहन किया जाता है।

छत्तीसगढ़ की वनौषधि परंपरा के संरक्षण के लिए सरकार प्रतिबद्ध : केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप आज छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए। यह कार्यक्रम राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर, जीरो प्वाइंट, रायपुर में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक किरण सिंह देव, विधायक अनुज शर्मा और विधायक इंद्रकुमार साहू अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक वन संपदा से समृद्ध राज्य है, जहां लगभग 44.21 प्रतिशत क्षेत्र में वन हैं। यहां के वनों में विभिन्न प्रकार की वनौषधियां पाई जाती हैं, जिनका उपयोग प्राचीन काल से उपचार के लिए किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने और आमजन तक इसके लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2012 से 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन श्री अंजय शुक्ला द्वारा उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करना एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके अनुभव से औषधि पादप बोर्ड को मजबूती मिलेगी और यह नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

समारोह में तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि औषधि पादप बोर्ड द्वारा वैद्य सम्मेलन, वनौषधि प्रदर्शनी और जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से इस दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि श्री शुक्ला के मार्गदर्शन में बोर्ड और बेहतर कार्य करेगा। कार्यक्रम को विधायक श्री किरण सिंह देव ने भी संबोधित करते हुए कहा कि श्री शुक्ला के अनुभव का लाभ औषधि पादप बोर्ड को मिलेगा।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम ने कि राज्य सरकार वन औषधीय के पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और संवर्धन के लिए पादप बोर्ड का गठन किया है। जो लगातार बेहतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने श्री शुक्ला को बधाई देते हुए कहा पादप बोर्ड को उनके अनुभव का निश्चित ही लाभ मिलेगा और बोर्ड बेहतर नवाचार करेगा।

कार्यक्रम में अपेक्स बैंक के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, खाद्य आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, अध्यक्ष अल्प संख्यक आयोग अमरजीत सिंह छाबड़ा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम, लोकेश कावड़िया, अध्यक्ष, रायपुर विकास प्राधिकरण नंदकुमार साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य स्वाती वर्मा, सतनामी समाज के धर्मगुरू गुरू बालदास, रमेश सिंह ठाकुर, अशोक पाण्डे, श्याम नारंग सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जेएसीएस राव, सुरेन्द्र पाटनी, अमित साहू, आलोक साहू सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गंदगी के चलते पेप्सिको और दो बोतल बंद पानी कंपनियां सील

कोरबा। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने बिना लाइसेंस संचालित पीयूष डिस्ट्रीब्यूटर पेप्सिको कंपनी को सील कर दिया। इसके अलावा, दो पानी फैक्ट्रियों से पानी के सैंपल भी जांच के लिए लिया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी की टीम ने दादर एरिया स्थित सुनीता बेवरेजेस और रजगामार रोड स्थित ममता इंडस्ट्रीज की पानी फैक्ट्रियों का भी निरीक्षण किया। इन फैक्ट्रियों के लाइसेंस सही पाए गए। हालांकि, टीम ने दोनों जगहों से तैयार पानी के नमूने जांच के लिए इकट्ठे किए। इन नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि पानी की गुणवत्ता और पैकेजिंग मानक के अनुरूप है या नहीं।

शहर के डिगापुर वार्ड नंबर 36 स्थित पीयूष डिस्ट्रीब्यूटर पेप्सिको कंपनी की फैक्ट्री में भी जांच की गई। यहां टीम ने स्लाइस फ्रूट जूस और ट्रॉपिकाना अमरूद जूस के सैंपल लिए। जांच के दौरान डिस्ट्रीब्यूटर के पास वैध लाइसेंस नहीं पाया गया। लाइसेंस नहीं होने के कारण फर्म को नियमानुसार सील कर दिया गया। बताया गया कि जिस स्थान पर यह फैक्ट्री संचालित हो रही थी, उसका लाइसेंस नहीं था। सील की गई फैक्ट्री से पेप्सी और फ्रूट जूस के नमूने भी लिए गए हैं, जिनकी जांच से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उत्पाद मानकों के अनुरूप हैं या नहीं।

मुख्यमंत्री ने कुदरगढ़ी माता से की प्रदेशवासियों की मंगल कामना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज चैत्र नवरात्रि की तृतीया तिथि के पावन अवसर पर कुदरगढ़ी माता के दर्शन करने सूरजपुर जिले स्थित कुदरगढ़ी माता मंदिर पहुंचे। कुदरगढ़ महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर उन्होंने मंदिर के नीचे प्रांगण स्थल पर ही हिंगुलाज माता एवं झगरा खाड़ देवता की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इस दौरान स्थानीय बैगा राम कुमार बंछोर ने पूजा-अर्चना संपन्न कराई। उनके परिवार की लगभग 10 पीढ़ियां कुदरगढ़ी माता की सेवा में निरंतर लगी हुई हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने उपस्थित श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और सभी को कुदरगढ़ महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन विकास निगम एवं कुदरगढ़ी मंदिर मां बागेश्वरी लोक न्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष रामसेवक पैंकरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यह है कुदरगढ़ का इतिहास

सूरजपुर जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर ओड़गी विकासखंड स्थित कुदरगढ़ एक प्रसिद्ध प्राचीन हिंदू तीर्थस्थल है। पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक जाने के लिए 1000 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती है। यह क्षेत्र प्राकृतिक खूबसूरती, घने जंगलों और ऊँची पहाड़ियों से घिरा हुआ है। मंदिर के पास विजयकुंड और अन्य प्राकृतिक स्थल हैं। जनश्रुतियों के अनुसार कुदरगढ़ी माता हर मन्नत पूरी करती हैं। चैत्र नवरात्रि पर यहां मेला लगता है।

रेडी टू ईट के लिए स्व-सहायता समूहों ने लगाई मशीन

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। सत्ता परिवर्तन के सवा 2 साल बाद साय सरकार का महिला स्व सहायता समूहों से चुनाव पूर्व किया वादा, मोदी की गारंटी पर आकांक्षी जिला कोरबा में मोहर लगती जा रही है। पॉयलट प्रोजेक्ट वाले जिलों में शामिल आकांक्षी जिला कोरबा के कोरबा ग्रामीण परियोजना के चयनित स्व सहायता समूह के बाद कोरबा शहरी एवं पोंडी उपरोड़ा के चयनित स्व सहायता समूह ने इस माह से

स्वचलित मशीन से रेडी टू ईट वितरण का कार्य शुरू कर दिया है। इन तीनों परियोजनाओं के 930 आगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से 40

हजार से अधिक हितग्राही स्व सहायता समूह द्वारा तैयार रेडी टू ईट से लाभान्वित हो रहे। करतला एवं पाली परियोजना में भी चयनित स्व सहायता समूहों द्वारा रेडी टू ईट तैयार किया जाने लगा है। आगामी वित्तीय वर्ष की शुरुआत अप्रैल माह से इन परियोजनाओं के 582 आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से तकरीबन 20 हजार हितग्राहियों को वितरण शुरू हो जाएगा। इन पांचों परियोजनाओं के स्व सहायता समूह द्वारा तैयार रेडी टू ईट से 60 हजार से अधिक हितग्राही सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। वहीं शेष 5 परियोजना से भी उत्पादन शुरू कराकर मई माह से आँगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से वितरण सुनिश्चित कराने की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग ने कदम बढ़ा दिया है।

यहाँ बताना होगा कि महिला एवं बाल विकास विभाग 6 माह से 6 वर्ष के नोनिहालों, किशोरियों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के पोषण के लिए कार्य करती है। 1 फरवरी 2022 के पूर्व स्थानीय महिला स्व सहायता समूहों के माध्यम से पूरक पोषण आहार कार्यक्रम अंतर्गत रेडी टू ईट कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा था।

संपत्तिकर : तीन बकायादारों की संपत्ति सील

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। निगम को देय सम्पत्तिकर संबंधित करदाताओं द्वारा न पटाये जाने परा आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के निर्देश पर 03 बड़े बकायादारों की सम्पत्तियों को निगम अमले ने सील कर दिया, जिनमें से 02 बकायादारों द्वारा तत्काल बकाया राशि जमा करा दी गई, परिणाम स्वरूप उनकी सम्पत्तियों को सीलिंग से मुक्त कर दिया गया, वहीं 01 बकायादार की सम्पत्ति अभी भी सील है।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा ऐसे बड़े बकायादारों जिनके द्वारा निगम को देय बकाया करों के भुगतान किए जाने में रूचि नहीं ली जा रही है तथा बार-बार वारंट, नोटिस दिए जाने के बावजूद उनके द्वारा बकाया करों की राशि निगम में जमा नहीं कराई जा रही, ऐसे बकायादारों के विरूद्ध निगम कड़ी कार्यवाही कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि निगम द्वारा सम्पत्तिकर, समेकित कर, जलकर आदि सहित विभिन्न करों की एक बड़ी बकाया राशि बकायादारों से प्राप्त की जानी है।

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने बताया कि इस हेतु निगम द्वारा बकायादारों को बार-बार नोटिस व वारंट आदि जारी कर बकाया राशि का भुगतान निगम कोष में किए जाने हेतु कहा जा रहा है, किन्तु बकायादारों द्वारा राशि जमा करने में रूचि नहीं दिखाई जा रही है, जिसके कारण एक ओर जहाँ निगम को आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है, वहीं विकास व नागरिक सुविधाओं की बेहतरी पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

जीएसटी सख्ती का व्यापारियों ने किया विरोध

कोरबा। शहर के व्यापारिक वर्ग में इन दिनों जीएसटी विभाग की कार्यवाही को लेकर असंतोष बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज कोरबा के पदाधिकारियों ने जीएसटी अधिकारियों से मुलाकात कर व्यापारियों की समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन सौंपा और बैंक खातों को अटैच करने की प्रक्रिया पर गंभीर आपत्ति जताई। चैंबर अध्यक्ष योगेश जैन, महामंत्री नरेन्द्र अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर.पी. तिवारी ने विरोध दर्ज कराया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरगुजा ओलंपिक का भव्य शुभारंभ : 3.49 लाख खिलाड़ी दे रहे भागीदारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 21 मार्च को नवरात्रि की पावन बेला में मां महामाया की धरा से सरगुजा ओलंपिक का आगाज किया। मुख्यमंत्री ने कहा, मां महामाया के आशीर्वाद पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक का आयोजन हो रहा है और आज सरगुजा अंचल के साथियों को ओलंपिक के जरिए अपनी हुनर दिखाने का अवसर मिला है।

अंबिकापुर स्थित पी जी कॉलेज ग्राउंड में सरगुजा ओलंपिक का शुभारंभ करते हुए उन्होंने अंचल वासियों को शुभकामनाएं दी। इस दौरान सभी जिलों से पहुँचे खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट कर सलामी दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने मां महामाया का स्मरण करते हुए प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक की सफलता के बाद अब सरगुजा में भी इस आयोजन की शुरुआत की गई है, जिससे यहां के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि बस्तर ओलंपिक में पहले वर्ष 1.65 लाख और इस वर्ष 3.91 लाख प्रतिभागियों ने भाग लिया, जबकि सरगुजा ओलंपिक में इस बार लगभग 3.49 लाख खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में नक्सलवाद उन्मूलन के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र अब तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। नक्सल मुक्ति का संकल्प हमारे जवानों के अदम्य साहस से पूरा होने की कगार पर है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर ओलंपिक में आत्म समर्पित नक्सलियों की टीम ने जोआ बाट के नाम से हिस्सा लिया, जिसमें लगभग 700 आत्म समर्पित नक्सली शामिल हुए।

दो ओलंपिक के लिए 10 करोड़ का प्रावधान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए बजट में बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक के वार्षिक आयोजन हेतु 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 21 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जबकि स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमश: 3 करोड़, 2 करोड़ और 1 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवा एथलीट अनिमेष कुजूर का उल्लेख करते हुए उनकी उपलब्धियों की सराहना की और कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।

प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने जानकारी दी कि पहली बार खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स का आयोजन छत्तीसगढ़ में होगा, जिसका शुभारंभ 25 मार्च को केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने हाल ही में छत्तीसगढ़ विधानसभा में पारित हुए धर्म स्वातंत्र्य विधेयक तथा कर्मचारी चयन मंडल के स्थापना के संबंध में भी जानकारी दी। शुभारंभ सत्र के अंत में मुख्यमंत्री सह अतिथियों ने सरगुजा ओलंपिक का मशाल प्रज्वलित किया और सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम में राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता गीता फोगाट ने भी खिलाड़ियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरगुजा ओलंपिक में बड़ी संख्या में बेटियों की भागीदारी देखना सुखद है। उन्होंने युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने का संदेश दिया, साथ ही नशे और गलत आदतों से दूर रहने की अपील की।

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने बताया कि सरगुजा ओलंपिक में 6 जिलों से कुल 3.49 लाख प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है, जिनमें 1.59 लाख पुरुष और 1.89 लाख महिलाएं शामिल हैं। तीन दिवसीय इस आयोजन में 11 से अधिक खेल विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने इसे सरगुजा वासियों के लिए बड़ी सौगात बताते हुए कहा कि इस मंच से स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी।

इस अवसर पर मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक प्रबोध मिंज, विधायक रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, महापौर मंजूषा भगत, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष राम किशुन सिंह, सभापति हरविंदर सिंह, राम लखन पैंकरा खेल विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संभाग आयुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

पंडरापाठ में 20 करोड़ की आर्चरी अकादमी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मां महामाया की धरती पर सरगुजा ओलंपिक का आगाज किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बताया कि खेलों के माध्यम से युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है और बस्तर व सरगुजा अंचल खेल अधोसंरचनाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरगुजा के पंडरापाठ में 20 करोड़ रुपए की लागत से आर्चरी अकादमी स्थापित की जा रही है, जिससे क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन खेलों में बड़ी संख्या में आत्मसमर्पित नक्सली भी हिस्सा ले रहे हैं जिससे उन्हें मुख्यधारा में शामिल होने का अवसर मिल रहा है।

दिव्यांगों को स्वरोजगार से जोड़ने कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग द्वारा 20 मार्च को दिव्यांगजनो के स्वावलंबन, स्वरोजगार हेतु उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत जशपुर के सभाकक्ष में आयोजित किया गया।

जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र, श्रम विभाग मुख्यमंत्री कौशल विकास विभाग एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के संयुक्त समन्वय से आयोजन हुआ, जिसमें जिले से 65 दिव्यांगजन उपस्थित हुए।

प्रकाश यादव, मुख्यमंत्री कौशल विकास विभाग द्वारा एल.ई.डी. बल्ब के निर्माण एवं व्यापार के बारे जनाकारी दी गई है। श्री मनीष भगत जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यकम, के पात्रता

एवं आवश्यक दस्तावेज संबंधित जानकारी, मिलन राठिया, श्रम पदाधिकरी द्वारा ई रिक्शा सहायता योजना, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु नि:शुल्क कोंचिग सहायता योजना की पात्रता एवं लाभ से संबंधित जानकारी, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से भरत पटेल द्वारा स्वसहायता समूह बनाने की प्रकिया, संकुल संगतन, ग्राम संगठन, सकिय महिला बैंक मित्र बनाने के संबंध में विस्तार से बताया गया।

दुलदुला के 30 सदस्यों वाली महिला स्व सहायता समूह द्वारा समूह ऋण की मांग की गई। दिव्यांगो का उगता सूरज स्वसहायता समूह कुनकुरी द्वारा बैंक लिंकेज के संबंध में समस्या बतायी गई।

अंत में धर्मेन्द्र कुमार साहू उपसंचालक समाज कल्याण जशपुर द्वारा दिव्यांगजनों के स्वरोजगार उद्यमी कौशल को उन्नत करने के लिए ऋण देने के लिए छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित एवं विकास निगम की योजनाएं, पात्रता, ब्याज की दर व छूटों के संबंध में एवं अन्य गतिविधि क्षेत्र की विस्तार से जानकारी दी गई।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950